02 अर्थशास्त्र की प्रमुख अवधारणाएं

02 Key Concepts of Economics

प्रश्न 01 | Question 01

मध्यम | Moderate

सुमेलन | Matching

अ हिंदी

अर्थशास्त्रियों और उनके मुख्य विचारों का सही मिलान करें:

सूची-I (अर्थशास्त्री)	सूची-II (मुख्य विचार)
A. एडम स्मिथ	1. कल्याण-केंद्रित
B. अल्फ्रेड मार्शल	2. दुर्लभता-केंद्रित
C. लियोनेल रॉबिंस	3. विकास-केंद्रित
D. पॉल सैमुएलसन	4. धन-केंद्रित

(A) A-4, B-1, C-2, D-3

(B) A-1, B-4, C-3, D-2

(C) A-4, B-2, C-1, D-3

(D) A-2, B-1, C-4, D-3

A English

Match List-I with List-II regarding Economists and their main ideas:

List-I (Economist)	List-II (Main Idea)
A. Adam Smith	1. Welfare-Centric
B. Alfred Marshall	2. Scarcity-Centric
C. Lionel Robbins	3. Growth-Centric
D. Paul Samuelson	4. Wealth-Centric

(A) A-4, B-1, C-2, D-3

(B) A-1, B-4, C-3, D-2

(C) A-4, B-2, C-1, D-3

(D) A-2, B-1, C-4, D-3

उत्तर 01 | Answer 01

A ✓ **A-4, B-1, C-2, D-3**

★ रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- एडम स्मिथ → धन-केंद्रित (द वेल्थ ऑफ नेशंस, 1776)
- मार्शल → कल्याण-केंद्रित (1890)
- रॉबिंस → दुर्लभता-केंद्रित (1932)
- सैमुएलसन → विकास-केंद्रित परिभाषा

- Adam Smith → Wealth-centric (Wealth of Nations, 1776)
- Marshall → Welfare-centric (1890)
- Robbins → Scarcity-centric (1932)
- Samuelson → Growth-centric definition

प्रश्न 02 | Question 02

मध्यम | Moderate

कथन-आधारित | Statement

अ हिंदी

'अवसर लागत' और 'उत्पादन संभावना सीमा' (PPF) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. अवसर लागत उस दूसरे सबसे अच्छे विकल्प का मूल्य है जिसे किसी विकल्प को चुनते समय छोड़ दिया जाता है।

2. मुफ़्त दिखने वाले संसाधनों की अवसर लागत हमेशा शून्य मानी जाती है।

3. PPF उपलब्ध संसाधनों व तकनीक के पूर्ण एवं कुशल उपयोग पर दो वस्तुओं के अधिकतम संभव उत्पादन-संयोजन दिखाता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 1 और 3
- (C) केवल 3
- (D) 1, 2 और 3

A English

Consider the following statements regarding 'Opportunity Cost' and 'Production Possibility Frontier (PPF)':

1. Opportunity cost is the value of the second-best option forgone for the sake of a choice.

2. The opportunity cost of resources that appear "free" is always assumed to be zero.

3. The PPF shows the maximum possible production-combinations of two goods with full and efficient use of available resources and technology.

Which of the statements given above is/are correct?

- (A) Only 1 and 2
- (B) Only 1 and 3
- (C) Only 3
- (D) 1, 2 and 3

उत्तर 02 | Answer 02

B केवल 1 और 3

Only 1 and 3

रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- अवसर लागत = छोड़े गए अगले सर्वश्रेष्ठ विकल्प का मूल्य
- 'मुफ़्त' दिखने वाले संसाधन की भी अवसर लागत होती है → कथन 2 गलत
- PPF: पूर्ण व कुशल उपयोग पर अधिकतम संयोजन; मूल बिंदु की ओर अवतल

- Opportunity cost = value of the next-best alternative forgone
- Even "free" resources have an opportunity cost → St. 2 wrong
- PPF: max combinations at full & efficient use; concave to origin

प्रश्न 03 | Question 03

कठिन | Hard

क्रम-व्यवस्था | Sequencing

★ PYQ | UPSC 2015 थीम

अ हिंदी

भारत के कोर उद्योग सूचकांक (ICI, आधार वर्ष 2022-23) के अनुसार, निम्नलिखित को उनके भारांक (Weightage) के अवरोही क्रम में व्यवस्थित करें:

1. विद्युत
2. रिफाइनरी उत्पाद
3. कोयला
4. इस्पात

कूट:

(A) 2, 1, 4, 3
(B) 2, 4, 1, 3
(C) 1, 2, 4, 3
(D) 4, 2, 1, 3

A English

According to India's Index of Core Industries (ICI, base year 2022-23), arrange the following in descending order of their weightage:

1. Electricity
2. Refinery Products
3. Coal
4. Steel

Codes:

(A) 2, 1, 4, 3
(B) 2, 4, 1, 3
(C) 1, 2, 4, 3
(D) 4, 2, 1, 3

उत्तर 03 | Answer 03

⚠ अद्यतन प्रश्न | Updated Question

C 1, 2, 4, 3

★ रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- ICI आधार वर्ष 2022-23 (जुलाई 2026 से); अब 9 उद्योग — लौह अयस्क नया
- भार: विद्युत 30.93% > रिफाइनरी 22.57% > इस्पात 17.58% > कोयला ~5.6%
- पुरानी श्रृंखला (2011-12): रिफाइनरी 28.04% सबसे ऊपर थी, विद्युत 19.85%
- ICI का भार IIP में ~32.88% (पहले 40.27%)

- ICI base year 2022-23 (from July 2026); now 9 industries — Iron Ore added
- Weights: Electricity 30.93% > Refinery 22.57% > Steel 17.58% > Coal ~5.6%
- Old series (2011-12): Refinery 28.04% was top, Electricity 19.85%
- ICI carries ~32.88% weight in IIP (earlier 40.27%)

प्रश्न 04 | Question 04

सरल | Simple

कथन-आधारित | Statement

अ हिंदी

अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. पंचम क्षेत्र में उच्चतम स्तर पर नीति-निर्धारण एवं निर्णय-प्रक्रिया से संबंधित गतिविधियाँ शामिल हैं, जिन्हें 'गोल्ड कॉलर' पेशे कहा जाता है।

2. चतुर्थक क्षेत्र सूचना प्रौद्योगिकी (IT), अनुसंधान एवं विकास (R&D) तथा परामर्श सेवाओं से संबंधित ज्ञान-आधारित क्षेत्र है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1, न ही 2

A English

Consider the following statements regarding the different sectors of the economy:

1. The Quinary sector involves policy-making and decision-making at the highest level, termed 'Gold-collar' professions.

2. The Quaternary sector is a knowledge-based sector related to IT, research & development (R&D) and consultancy.

Which of the statements given above is/are correct?

(A) Only 1
(B) Only 2
(C) Both 1 and 2
(D) Neither 1 nor 2

उत्तर 04 | Answer 04

C

1 और 2 दोनों

Both 1 and 2

★ रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- चतुर्थक = ज्ञान-आधारित: IT, R&D, परामर्श, शिक्षा
- पंचम = शीर्ष निर्णय व नीति-निर्माण → गोल्ड कॉलर
- पंचम को चतुर्थक का ही उच्च उप-भाग माना जाता है

- Quaternary = knowledge-based: IT, R&D, consultancy, education
- Quinary = top-level decisions & policy → Gold collar
- Quinary is treated as the top sub-part of Quaternary

प्रश्न 05 | Question 05

मध्यम | Moderate

सुमेलन | Matching

अ हिंदी

आर्थिक गतिविधियों और उनसे संबंधित रोज़गार श्रेणियों (Collar Jobs) का सही मिलान करें:

क्षेत्र	कॉलर श्रेणी
A. प्राथमिक क्षेत्र	1. व्हाइट कॉलर
B. द्वितीयक क्षेत्र (अकुशल)	2. रेड कॉलर
C. तृतीयक/चतुर्थक क्षेत्र	3. गोल्ड कॉलर
D. पंचम क्षेत्र	4. ब्लू कॉलर

(A) A-2, B-4, C-1, D-3
(B) ~~A-4, B-2, C-3, D-1~~
(C) A-2, B-1, C-4, D-3
(D) ~~A-3, B-4, C-1, D-2~~

A English

Correctly match the economic activities with their employment categories (Collar Jobs):

Sector	Collar Category
A. Primary Sector	1. White Collar
B. Secondary (unskilled)	2. Red Collar
C. Tertiary/Quaternary	3. Gold Collar
D. Quinary Sector	4. Blue Collar

(A) A-2, B-4, C-1, D-3
(B) A-4, B-2, C-3, D-1
(C) A-2, B-1, C-4, D-3
(D) A-3, B-4, C-1, D-2

उत्तर 05 | Answer 05

A

A-2, B-4, C-1, D-3

रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- प्राथमिक → रेड कॉलर (कृषि, खनन)
- द्वितीयक (शारीरिक श्रम) → ब्लू कॉलर
- तृतीयक/चतुर्थक → व्हाइट कॉलर (कार्यालयी, ज्ञान-कार्य)
- पंचम → गोल्ड कॉलर (CEO, नीति-निर्धारक)

- Primary → Red collar (agriculture, mining)
- Secondary (manual labour) → Blue collar
- Tertiary/Quaternary → White collar (office, knowledge work)
- Quinary → Gold collar (CEOs, policy-makers)

प्रश्न 06 | Question 06

सरल | Simple

कथन-आधारित | Statement

अ हिंदी

सकारात्मक और मानक अर्थशास्त्र के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. सकारात्मक अर्थशास्त्र इस बात का अध्ययन करता है कि आर्थिक परिस्थितियाँ वास्तव में "क्या हैं" या "क्या थीं"।

2. मानक अर्थशास्त्र इस बात का अध्ययन करता है कि चीज़ें "क्या होनी चाहिए"।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

A केवल 1

B केवल 2

C 1 और 2 दोनों

D न तो 1, न ही 2

A English

With reference to Positive and Normative Economics, consider the following statements:

1. Positive Economics studies what economic conditions actually "are" or "were".

2. Normative Economics studies what things "ought to be".

Which of the statements given above is/are correct?

A Only 1

B Only 2

C Both 1 and 2

D Neither 1 nor 2

उत्तर 06 | Answer 06

C 1 और 2 दोनों

Both 1 and 2

★ रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- सकारात्मक = "क्या है/था" → तथ्य, जाँचा जा सकता है
- मानक = "क्या होना चाहिए" → मूल्य-निर्णय
- उदा.: "महँगाई 5% है" (सकारात्मक) | "महँगाई घटनी चाहिए" (मानक)

- Positive = "what is/was" → factual, testable
- Normative = "what ought to be" → value judgement
- e.g. "Inflation is 5%" (positive) | "Inflation should fall" (normative)

प्रश्न 07 | Question 07

मध्यम | Moderate

गलत कथन | Incorrect Statement

अ हिंदी

भारत की आर्थिक संरचना (1951 से 2023-24 तक) में हुए बदलाव के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है?

(A) 1951 में GDP में प्राथमिक क्षेत्र का योगदान आधे से अधिक (~56%) था, जो 2023-24 तक घटकर 20% से कम रह गया

(B) वर्ष 2018-19 तक, सेवा क्षेत्र भारत में सबसे अधिक आबादी को रोज़गार प्रदान करता है

(C) GDP और रोज़गार संरचना में परिवर्तन समान गति से नहीं हुआ है

(D) 1991 के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था कृषि-प्रधान से सेवा-प्रधान अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ी

A English

Which of the following statements regarding the shift in India's economic structure (1951 to 2023-24) is INCORRECT?

(A) The primary sector's share in GDP was over half (~56%) in 1951, falling below 20% by 2023-24

(B) As of 2018-19, the service sector employs the largest share of India's population

(C) The shift in GDP and employment structure did not occur at the same pace

(D) After 1991, the Indian economy moved from agriculture-dominated toward service-dominated

उत्तर 07 | Answer 07

✎ विकल्प A संशोधित | Option A Reworded

B ✓

वर्ष 2018-19 तक, सेवा क्षेत्र भारत में सबसे अधिक आबादी को रोज़गार प्रदान करता है

As of 2018-19, the service sector employs the largest share of India's population

★ रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- PLFS 2018-19: सर्वाधिक रोज़गार अब भी कृषि/प्राथमिक क्षेत्र में (~42%) → (B) गलत
- GDP में सेवा क्षेत्र सबसे बड़ा, पर रोज़गार में नहीं
- GDP संरचना तेज़ी से बदली, रोज़गार संरचना धीमी गति से

- PLFS 2018-19: agriculture/primary still the largest employer (~42%) → (B) wrong
- Services lead in GDP share, not in employment
- GDP structure changed fast; employment structure lagged

प्रश्न 08 | Question 08 | सरल | Simple | कथन-आधारित | Statement

अ हिंदी

'समानांतर अर्थव्यवस्था' (Parallel Economy) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह उन गतिविधियों और आयों से जुड़ी है जो निर्धारित लेखांकन, कर या नियामक व्यवस्था से छिपाई जाती हैं।
2. काला धन केवल नकद रूप में रखा जा सकता है, अचल संपत्ति या सोने के रूप में नहीं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2
- (C) 1 और 2 दोनों
- (D) न तो 1, न ही 2

A English

Consider the following statements regarding the 'Parallel Economy':

1. It relates to activities and incomes concealed from the prescribed accounting, tax or regulatory system.
2. Black money can only be held in cash, not in real estate or gold.

Which of the statements given above is/are correct?

- (A) Only 1
- (B) Only 2
- (C) Both 1 and 2
- (D) Neither 1 nor 2

उत्तर 08 | Answer 08

A ✓

केवल 1

Only 1

★ रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- समानांतर अर्थव्यवस्था = कर/नियामक तंत्र से छिपी आय व गतिविधियाँ
- काला धन: नकद, सोना, अचल संपत्ति, बेनामी, विदेशी खाते → कथन 2 गलत
- संबंधित कानून: काला धन (अघोषित विदेशी आय एवं संपत्ति) अधिनियम, 2015

- Parallel economy = income/activity hidden from tax & regulators
- Black money: cash, gold, real estate, benami, foreign accounts → St. 2 wrong
- Related law: Black Money (Undisclosed Foreign Income & Assets) Act, 2015

प्रश्न 09 | Question 09

कठिन | Hard

समसामयिक | Current Affairs

अ हिंदी

विश्व बैंक के वर्गीकरण (1 जुलाई 2026 की स्थिति) के आधार पर आय समूहों का सही मिलान करें:

आय समूह	GNI प्रति व्यक्ति
A. निम्न आय	1. $4,636 से $14,375
B. निम्न-मध्यम आय	2. $1,175 या उससे कम
C. उच्च-मध्यम आय	3. $1,176 से $4,635

(A) A-2, B-3, C-1
(B) A-2, B-1, C-3
(C) A-3, B-2, C-1
(D) A-1, B-3, C-2

A English

Match the income groups based on the World Bank classification (as of July 1, 2026):

Income Group	GNI per capita
A. Low income	1. $4,636 to $14,375
B. Lower-middle income	2. $1,175 or less
C. Upper-middle income	3. $1,176 to $4,635

(A) A-2, B-3, C-1
(B) A-2, B-1, C-3
(C) A-3, B-2, C-1
(D) A-1, B-3, C-2

उत्तर 09 | Answer 09

A A-2, B-3, C-1

★ रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- विश्व बैंक FY27 (1 जुलाई 2026 से); आधार: 2025 का GNI प्रति व्यक्ति (एटलस पद्धति)
- निम्न ≤ $1,175 | निम्न-मध्यम $1,176–4,635 | उच्च-मध्यम $4,636–14,375
- उच्च आय > $14,375
- भारत: निम्न-मध्यम आय (FY27 में भी)

- World Bank FY27 (from July 1, 2026); basis: 2025 GNI per capita (Atlas method)
- Low ≤ $1,175 | Lower-middle $1,176–4,635 | Upper-middle $4,636–14,375
- High income > $14,375
- India: Lower-middle income (still in FY27)

प्रश्न 10 | Question 10

सरल | Simple

तथ्यात्मक | Factual

अ हिंदी

निम्नलिखित में से कौन उत्पादन के कारक का उसके प्रतिफल (Reward) के साथ सही मिलान नहीं करता है?

- (A) भूमि – किराया (लगान)
- (B) श्रम – मज़दूरी
- (C) पूँजी – लाभ ✗
- (D) उद्यमशीलता – लाभ

L → R
C → I
L → W
E → P

A English

Which of the following does NOT correctly match the factor of production with its reward?

- (A) Land – Rent
- (B) Labour – Wages
- (C) Capital – Profit
- (D) Entrepreneurship – Profit

उत्तर 10 | Answer 10

C

पूँजी – लाभ

Capital – Profit

★ रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- भूमि → लगान/किराया
- श्रम → मज़दूरी
- पूँजी → ब्याज (लाभ नहीं) → (C) गलत
- उद्यमी → लाभ

- Land → Rent
- Labour → Wages
- Capital → Interest (not profit) → (C) wrong
- Entrepreneur → Profit

प्रश्न 11 | Question 11

मध्यम | Moderate

कथन-आधारित | Statement

अ हिंदी

देशों के वर्गीकरण (Country Groups) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. पहली दुनिया के देश समाजवादी और राज्य-नियंत्रित अर्थव्यवस्थाएँ हैं।

2. तीसरी दुनिया के देश वे हैं जो महाशक्तियों के सैन्य गुटों में शामिल नहीं हुए और तटस्थ रहे।

3. युगांडा और रवांडा जैसे अत्यंत गरीब और सबसे कम विकसित देशों को चौथी दुनिया का हिस्सा माना जाता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- A ~~केवल 1 और~~ 2
- B केवल 2 और 3
- C ~~केवल 1 और~~ 3
- D ~~1, 2 और 3~~

A English

Consider the following statements regarding Country Groups:

1. First World countries are socialist and state-controlled economies.

2. Third World countries are those that did not join the superpowers' military blocs and remained neutral.

3. Extremely poor, least developed countries like Uganda and Rwanda are considered part of the Fourth World.

Which of the statements given above is/are correct?

- A Only 1 and 2
- B Only 2 and 3
- C Only 1 and 3
- D 1, 2 and 3

उत्तर 11 | Answer 11

B

केवल 2 और 3

Only 2 and 3

★ रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- प्रथम विश्व = अमेरिकी गुट के पूँजीवादी देश → कथन 1 गलत
- द्वितीय विश्व = सोवियत गुट (समाजवादी)
- तृतीय विश्व = गुटनिरपेक्ष/विकासशील देश
- चतुर्थ विश्व = अत्यंत गरीब, अल्पविकसित देश

- First World = capitalist US-bloc nations → St. 1 wrong
- Second World = Soviet bloc (socialist)
- Third World = non-aligned / developing nations
- Fourth World = extremely poor, least developed nations

प्रश्न 12 | Question 12

सरल | Simple

तथ्यात्मक | Factual

अ हिंदी

व्यष्टि अर्थशास्त्र (Microeconomics) के घटकों में निम्नलिखित में से क्या शामिल नहीं है?

- (A) उपभोक्ता व्यवहार सिद्धांत
- (B) उत्पादक व्यवहार सिद्धांत
- (C) कीमत सिद्धांत
- (D) कुल माँग व आपूर्ति

A English

Which of the following is NOT a component of Microeconomics?

- (A) Theory of consumer behaviour
- (B) Theory of producer behaviour
- (C) Theory of price
- (D) Aggregate demand and supply

उत्तर 12 | Answer 12

D
कुल माँग व आपूर्ति
Aggregate demand and supply

रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- व्यष्टि = व्यक्तिगत इकाई: उपभोक्ता, फर्म, कीमत निर्धारण
- समष्टि = समग्र: कुल माँग-आपूर्ति, राष्ट्रीय आय, रोज़गार, मुद्रास्फीति
- समष्टि अर्थशास्त्र को दिशा: कीन्स की 'जनरल थ्योरी' (1936)

- Micro = individual units: consumer, firm, price determination
- Macro = aggregates: AD-AS, national income, employment, inflation
- Macroeconomics shaped by Keynes' 'General Theory' (1936)

प्रश्न 13 | Question 13

सरल | Simple

कथन-आधारित | Statement

अ हिंदी

विनिर्माण (Manufacturing) और निर्माण (Construction) के बीच अंतर के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. विनिर्माण में कच्चे माल को प्रक्रिया/मशीनों की मदद से नया उत्पाद बनाया जाता है।
2. निर्माण में ईंट, सीमेंट, लोहा आदि का उपयोग करके भवन या कारखाने जैसी संरचनाएँ बनाई जाती हैं।
3. विनिर्माण द्वितीयक क्षेत्र का हिस्सा है, जबकि निर्माण तृतीयक क्षेत्र का हिस्सा है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1
D. 1, 2 और 3

A English

Consider the following statements regarding the difference between Manufacturing and Construction:

1. In manufacturing, raw materials are processed with the help of machines to create a new product.
2. In construction, bricks, cement, iron, etc. are used to build structures like a building or factory.
3. Manufacturing is part of the Secondary Sector, while construction is part of the Tertiary Sector.

Which of the statements given above is/are correct?

A. Only 1 and 2
B. Only 2 and 3
C. Only 1
D. 1, 2 and 3

उत्तर 13 | Answer 13

A ✓

केवल 1 और 2

Only 1 and 2

★ रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- विनिर्माण और निर्माण — दोनों द्वितीयक क्षेत्र → कथन 3 गलत
- द्वितीयक में बिजली, गैस व जल आपूर्ति भी शामिल
- विनिर्माण = नया उत्पाद | निर्माण = संरचना

- Manufacturing & construction — both Secondary sector → St. 3 wrong
- Secondary also includes electricity, gas & water supply
- Manufacturing = new product | Construction = structure

प्रश्न 14 | Question 14

मध्यम | Moderate

वैचारिक | Conceptual

अ हिंदी

लियोनेल रॉबिंस के 'दुर्लभता के सिद्धांत' के अनुसार, आर्थिक समस्या का सही समीकरण क्या है?

A सीमित इच्छाएँ + असीमित संसाधन + संसाधनों का एक उपयोग

B असीमित इच्छाएँ + सीमित संसाधन + वैकल्पिक उपयोग + चुनाव की आवश्यकता

C असीमित इच्छाएँ + असीमित संसाधन + चयन की स्वतंत्रता

D सीमित संसाधन + सरकार का पूर्ण नियंत्रण + चुनाव का अभाव

A English

According to Lionel Robbins' 'Theory of Scarcity', what is the correct equation for the economic problem?

A Limited wants + Unlimited resources + Single use of resources

B Unlimited wants + Limited resources + Alternative uses + Need for choice

C Unlimited wants + Unlimited resources + Freedom of choice

D Limited resources + Full government control + Lack of choice

उत्तर 14 | Answer 14

B ✓

असीमित इच्छाएँ + सीमित संसाधन + वैकल्पिक उपयोग + चुनाव की आवश्यकता

Unlimited wants + Limited resources + Alternative uses + Need for choice

★ रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- रॉबिंस (1932): अर्थशास्त्र = दुर्लभता का विज्ञान
- असीमित आवश्यकताएँ + सीमित साधन + वैकल्पिक उपयोग → चयन की समस्या
- यही 'आर्थिक समस्या' का मूल; अवसर लागत इसी से जन्मती है

- Robbins (1932): Economics = science of scarcity
- Unlimited wants + limited means + alternative uses → problem of choice
- This is the root of the 'economic problem'; gives rise to opportunity cost

प्रश्न 15 | Question 15

सरल | Simple

सुमेलन | Matching

अ हिंदी

प्रमुख पुस्तकों और उनके लेखकों का सही मिलान करें:

पुस्तक	लेखक
1. द वेल्थ ऑफ नेशंस (1776)	A. अल्फ्रेड मार्शल
2. प्रिंसिपल्स ऑफ इकोनॉमिक्स (1890)	B. एडम स्मिथ
3. दास कैपिटल (1867)	C. जे. एम. कीन्स
4. द जनरल थ्योरी... (1936)	D. कार्ल मार्क्स

(A) 1-B, 2-A, 3-D, 4-C

(B) 1-C, 2-B, 3-A, 4-D

(C) 1-B, 2-D, 3-A, 4-C

(D) 1-A, 2-B, 3-D, 4-C

A English

Correctly match the major books with their authors:

Book	Author
1. The Wealth of Nations (1776)	A. Alfred Marshall
2. Principles of Economics (1890)	B. Adam Smith
3. Das Kapital (1867)	C. J. M. Keynes
4. The General Theory... (1936)	D. Karl Marx

(A) 1-B, 2-A, 3-D, 4-C

(B) 1-C, 2-B, 3-A, 4-D

(C) 1-B, 2-D, 3-A, 4-C

(D) 1-A, 2-B, 3-D, 4-C

उत्तर 15 | Answer 15

A 1-B, 2-A, 3-D, 4-C

★ रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- द वेल्थ ऑफ नेशंस (1776) → एडम स्मिथ ('अर्थशास्त्र के जनक')
- प्रिंसिपल्स ऑफ इकोनॉमिक्स (1890) → मार्शल
- दास कैपिटल (1867) → कार्ल मार्क्स
- द जनरल थ्योरी ऑफ एम्प्लॉयमेंट, इंटरेस्ट एंड मनी (1936) → कीन्स

- Wealth of Nations (1776) → Adam Smith ('Father of Economics')
- Principles of Economics (1890) → Marshall
- Das Kapital (1867) → Karl Marx
- General Theory of Employment, Interest and Money (1936) → Keynes

प्रश्न 16 | Question 16

सरल | Simple

बहुविकल्पीय चयन | Multi-select

अ हिंदी

निम्नलिखित आर्थिक गतिविधियों पर विचार करें:

1. सूती कपड़े की बुनाई
2. डेयरी फार्मिंग
3. बैंकिंग व बीमा
4. खनन और उत्खनन

उपर्युक्त में से कौन प्राथमिक क्षेत्र के भाग हैं?

A केवल 1 और 4
B केवल 2 और 4
C केवल 1, 2 और 4
D केवल 2, 3 और 4

A English

Consider the following economic activities:

1. Weaving of cotton cloth
2. Dairy farming
3. Banking and Insurance
4. Mining and Quarrying

Which of the above are parts of the Primary Sector?

A Only 1 and 4
B Only 2 and 4
C Only 1, 2 and 4
D Only 2, 3 and 4

उत्तर 16 | Answer 16

B ✓

केवल 2 और 4

Only 2 and 4

★ रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- प्राथमिक = प्रकृति से सीधे: कृषि, डेयरी, मत्स्य, वानिकी, खनन
- सूती कपड़े की बुनाई → द्वितीयक (विनिर्माण)
- बैंकिंग व बीमा → तृतीयक (सेवा)

- Primary = directly from nature: farming, dairy, fishing, forestry, mining
- Cotton weaving → Secondary (manufacturing)
- Banking & insurance → Tertiary (services)

प्रश्न 17 | Question 17

मध्यम | Moderate

बहुविकल्पीय चयन | Multi-select

अ हिंदी

निम्नलिखित में से कौन अर्थव्यवस्था के 'वास्तविक क्षेत्र' (Real Sector) के अंतर्गत आता है?

1. किसान द्वारा गेहूँ उगाना
2. शेयर बाज़ार में ट्रेडिंग
3. शिक्षक द्वारा छात्रों को पढ़ाना
4. बीमा कंपनियों का लेन-देन

कूट:

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4

A English

Which of the following falls under the 'Real Sector' of the economy?

1. A farmer growing wheat
2. Trading in the stock market
3. A teacher teaching students
4. Transactions by insurance companies

Codes:

(A) Only 1 and 2
(B) Only 1 and 3
(C) Only 2 and 4
(D) 1, 2, 3 and 4

उत्तर 17 | Answer 17

B ✓

केवल 1 और 3

Only 1 and 3

★ रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- वास्तविक क्षेत्र = वस्तुओं व सेवाओं का वास्तविक उत्पादन (कृषि, उद्योग, सेवा)
- वित्तीय क्षेत्र = मुद्रा/परिसंपत्तियों का लेन-देन (शेयर बाज़ार, बैंक, बीमा)
- शिक्षक का पढ़ाना = सेवा का उत्पादन → वास्तविक क्षेत्र

- Real sector = actual production of goods & services (agri, industry, services)
- Financial sector = dealings in money/assets (stock market, banks, insurance)
- A teacher teaching = producing a service → real sector

प्रश्न 18 | Question 18

सरल | Simple

कथन-आधारित | Statement

अ हिंदी

पूँजीवादी और समाजवादी अर्थव्यवस्थाओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में आर्थिक क्रियाएँ बाज़ार शक्तियों द्वारा संचालित होती हैं, जबकि समाजवादी व्यवस्था में सरकार द्वारा।

2. समाजवादी अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा अधिक होती है और इसका मुख्य उद्देश्य अधिकतम लाभ कमाना होता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1, न ही 2

A English

Consider the following statements regarding Capitalist and Socialist economies:

1. In a Capitalist economy, economic activities are driven by market forces, whereas in a Socialist economy they are driven by the government.

2. A Socialist economy has high competition and its main objective is to maximise profit.

Which of the statements given above is/are correct?

(A) Only 1
(B) Only 2
(C) Both 1 and 2
(D) Neither 1 nor 2

उत्तर 18 | Answer 18

A ✓

केवल 1

Only 1

★ रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- पूँजीवाद → बाज़ार शक्तियाँ, निजी स्वामित्व, लाभ-उद्देश्य
- समाजवाद → राज्य नियंत्रण, सामाजिक कल्याण, कम प्रतिस्पर्धा → कथन 2 गलत
- भारत → मिश्रित अर्थव्यवस्था

- Capitalism → market forces, private ownership, profit motive
- Socialism → state control, social welfare, low competition → St. 2 wrong
- India → mixed economy

प्रश्न 19 | Question 19

मध्यम | Moderate

कथन-आधारित | Statement

अ हिंदी

कार्य की शर्तों के आधार पर अर्थव्यवस्था के वर्गीकरण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. संगठित क्षेत्र में रोज़गार की शर्तें निश्चित और नियमित होती हैं।

2. श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया 'ई-श्रम पोर्टल' मुख्यतः असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- A केवल 1
- B केवल 2
- C 1 और 2 दोनों
- D न तो 1, न ही 2

A English

Consider the following statements regarding the classification of the economy based on work conditions:

1. In the Organised Sector, terms of employment are fixed and regular.

2. The 'e-Shram Portal', launched by the Ministry of Labour and Employment, is primarily for Unorganised Sector workers.

Which of the statements given above is/are correct?

- A Only 1
- B Only 2
- C Both 1 and 2
- D Neither 1 nor 2

उत्तर 19 | Answer 19

C

1 और 2 दोनों

Both 1 and 2

रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- संगठित क्षेत्र: पंजीकृत इकाइयाँ, नियमित वेतन, सामाजिक सुरक्षा
- ई-श्रम पोर्टल: अगस्त 2021, श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय
- असंगठित श्रमिकों का राष्ट्रीय डेटाबेस; पंजीकरण पर UAN (ई-श्रम कार्ड)

- Organised sector: registered units, regular pay, social security
- e-Shram portal: August 2021, Ministry of Labour & Employment
- National database of unorganised workers; UAN (e-Shram card) on registration

प्रश्न 20 | Question 20

सरल | Simple

सुमेलन | Matching

अ हिंदी

अर्थव्यवस्था की 'केंद्रीय समस्याओं' के समाधान के संदर्भ में सही मिलान करें:

केंद्रीय समस्या	समाधान
A. क्या उत्पादन किया जाए?	1. उत्पादन तकनीक (श्रम-प्रधान या पूँजी-प्रधान) का चयन
B. कैसे उत्पादन किया जाए?	2. समाज के किस वर्ग के लिए उत्पादन हो
C. किसके लिए उत्पादन किया जाए?	3. किन वस्तुओं व सेवाओं का उत्पादन हो, इसका चयन

(A) A-3, B-1, C-2
(B) A-1, B-2, C-3
(C) A-2, B-3, C-1
(D) A-3, B-2, C-1

A English

Match regarding the solutions to the 'Central Problems of an Economy':

Central Problem	Solution
A. What to produce?	1. Choice of technique (labour- or capital-intensive)
B. How to produce?	2. For which class/group of society to produce
C. For whom to produce?	3. Choice of which goods & services to produce

(A) A-3, B-1, C-2
(B) A-1, B-2, C-3
(C) A-2, B-3, C-1
(D) A-3, B-2, C-1

उत्तर 20 | Answer 20

A A-3, B-1, C-2

★ रिवीजन कैप्सूल | Revision Capsule

- क्या उत्पादन? → वस्तुओं-सेवाओं का चयन
- कैसे उत्पादन? → तकनीक: श्रम-प्रधान या पूँजी-प्रधान
- किसके लिए? → उत्पादन का वितरण (किस वर्ग के लिए)
- तीनों समस्याएँ संसाधनों की दुर्लभता से जन्मती हैं

- What to produce? → choice of goods & services
- How to produce? → technique: labour- or capital-intensive
- For whom? → distribution of output (which class)
- All three arise from scarcity of resources

उपयोगिता (Utility)

Unit: Util | यूटिल

वस्तु | सेवा ⟶ संतुष्टि

good | SER ⟶ Satisf

1) Subject | व्यक्तिपरक
2) Unbias | तटस्थ
3) सापेक्ष (Rel.)

उपयोगिता का मापन
MEA OF Utility

- गणनावाचक CARDINAL ⟶ अल्फ्रेड मार्शल (x)
- क्रमवाचक / ORDINAL ⟶ हिक्स व एलन — Rank

उपयोगिता (Utility)

TU = Total Uti
कुल उपयोगिता
⇓
10 Burger
90 Util ⇒ TU.

1 रोटी ⇒ 10.
2 रोटी ⇒ 8.
3 रोटी ⇒ 6.
5 रोटी = 2.
6 रोटी = 0.
7 रोटी = −1 (Neg. MU).

HH गोसेन
⇓
D MU | ह्रासमान सीमांत उपयोगिता

MU = MARGINAL Uti
सीमांत उपयोगिता

अतिरिक्त इकाई — उपभोग - उपयोगिता परिवर्तन
Add Unit — Consume — Utility change.

TU ⇒ 10 + 8 + 6 ⇒ 16 - 2

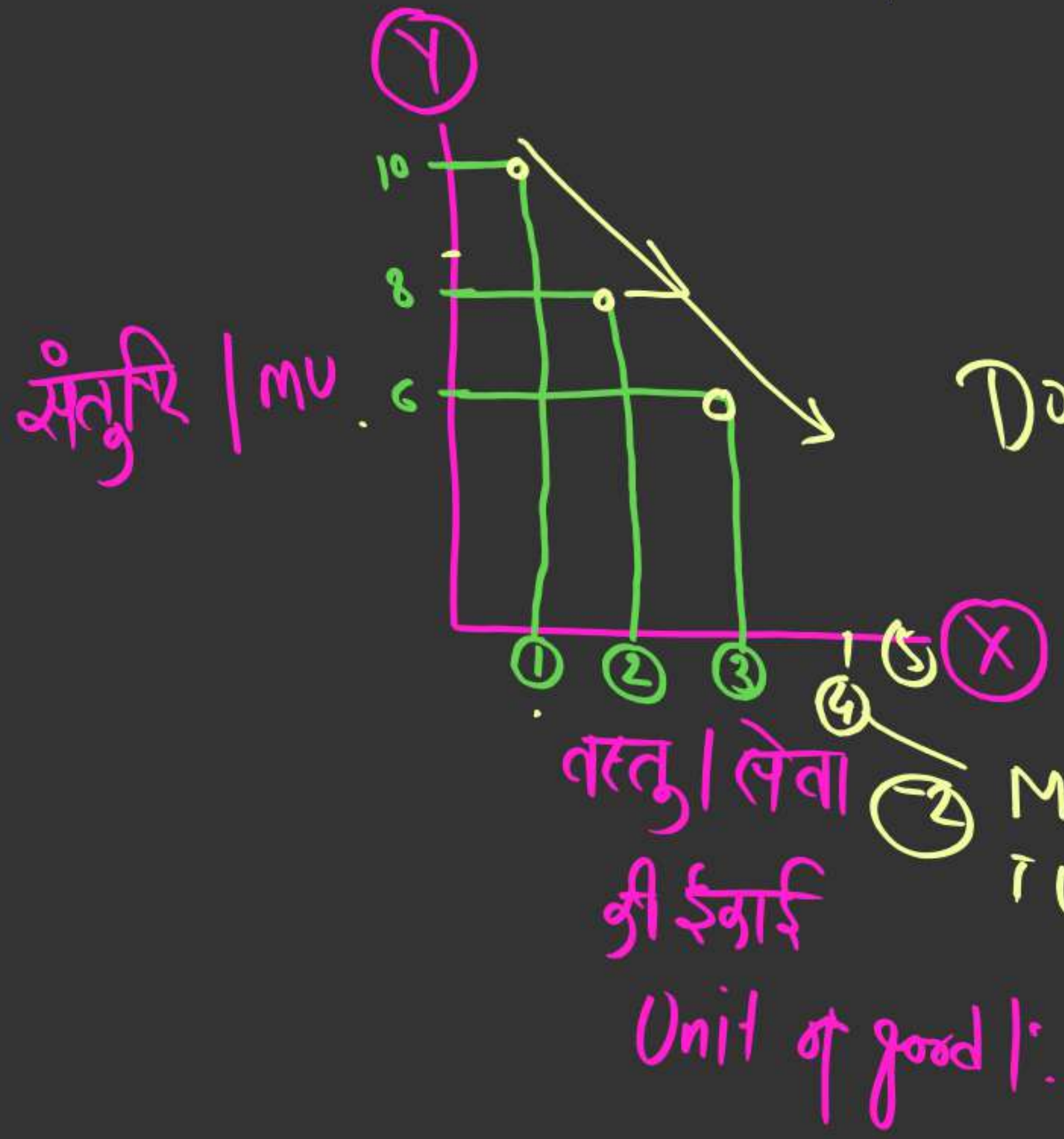

Downward
नीचे गिरता हुआ

MU = 0 (शून्य)
TU = MAX (अधिकतम)

⊝ MU = 0
TU = 16

MU = ⊝

TU = ↓↓

अधिकतम संतुष्टि का सिद्धांत | सम सीमांत उपयोगिता | गोसेन का द्वितीय नियम

Law of Equi-Marginal Ut. | IInd law of gossen | Max Satis.

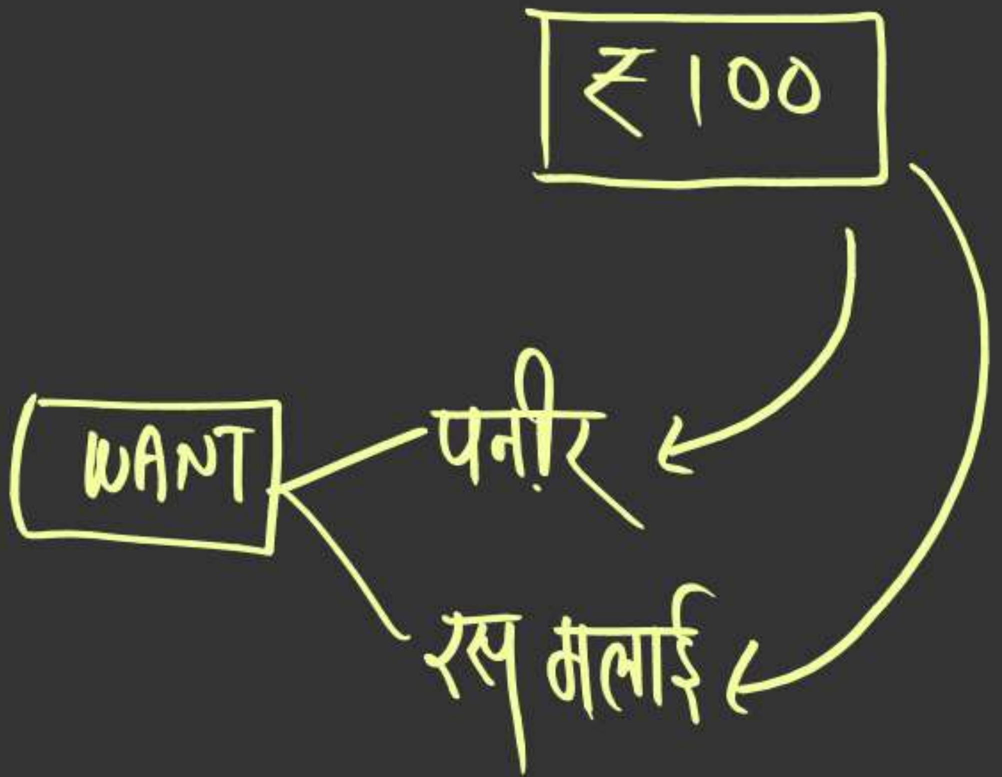

पनीर => 70

रस मलाई = 30

सीमांत उत्पाद (Marginal Product)

2 मजदूर ⟶ 500 पापड़

3 मजदूर ⟶ 700 पापड़

$MP \Rightarrow 700 - 500 = 200$

सीमांत लागत (Marg Cost)

10 पापड़ ⟶ ₹100

₹10

1 पापड़ ⟶ ₹8

2.1) उपयोगिता विश्लेषण (Utility)

1) **उपयोगिता (Utility) →** किसी वस्तु या सेवा के उपभोग से उपभोक्ता को प्राप्त होने वाली संतुष्टि

   - उदाहरण : यदि भूखे व्यक्ति को भोजन खाने से संतुष्टि मिलती है, तो भोजन में उस व्यक्ति के लिए उपयोगिता है।

2) **उपयोगिता की विशेषताएँ**

   - **व्यक्तिपरक :** एक ही वस्तु की उपयोगिता अलग-अलग व्यक्तियों के लिए अलग होती है।
   - **नैतिक रूप से तटस्थ :** सिगरेट या शराब की भी उपयोगिता होती है, क्योंकि वे किसी की आवश्यकता पूरी करती हैं।
   - **सापेक्ष :** समय और स्थान के साथ बदलती है
   - उपयोगिता की इकाई = **यूटिल (Util)**

कुल उपयोगिता (Total Utility)	किसी वस्तु की सभी इकाइयों के उपभोग से प्राप्त कुल संतुष्टि
सीमांत उपयोगिता (Marginal Utility)	एक अतिरिक्त इकाई के उपभोग से कुल उपयोगिता में होने वाला परिवर्तन

उपयोगिता मापने के दो दृष्टिकोण

आधार	गणनावाचक (Cardinal)	क्रमवाचक (Ordinal)
अर्थ	संतुष्टि को **संख्याओं (यूटिल)** में मापा	संतुष्टि को केवल **क्रम/पसंद (Rank)** में
प्रवर्तक	**अल्फ्रेड मार्शल**	**हिक्स एवं एलन**
उपकरण	सीमांत उपयोगिता विश्लेषण, ह्रासमान सीमांत उपयोगिता का नियम	उदासीनता वक्र (IC) विश्लेषण
यथार्थता	**कम यथार्थवादी**	**अधिक यथार्थवादी**

2.1) Utility Analysis

1) **Utility** → the satisfaction a consumer derives from consuming a good or service
   - Example : If a hungry person gets satisfaction from eating food, then the food has utility for that person

2) **Features of Utility**
   - **Subjective and psychological :** The utility of the same good differs from person to person
   - **Ethically neutral :** Cigarettes or liquor also have utility because they satisfy someone's want — utility does not mean 'beneficial'.
   - **Relative :** It changes with time and place
   - Unit of utility = **Util**

Total Utility	The total satisfaction obtained from consuming all units of a commodity
Marginal Utility	The change in total utility resulting from the consumption of one additional unit

Two Approaches to Measuring Utility

Basis	Cardinal	Ordinal
Meaning	Satisfaction is measured in numbers (utils)	Satisfaction is measured only in terms of order/preference (Rank)
Propounder	Alfred Marshall	Hicks and Allen
Tools	Marginal utility analysis, Law of Diminishing Marginal Utility	Indifference Curve (IC) analysis
Realism	Less realistic	More realistic

2.2) 'सीमांत' (Marginal Concepts in Economics)

1) **सीमांत उपयोगिता (Marginal Utility)** → उपभोक्ता द्वारा किसी वस्तु या सेवा की **एक अतिरिक्त इकाई का उपभोग करने से मिलने वाली अतिरिक्त** संतुष्टि

- कुल उपयोगिता में हुआ परिवर्तन

2) **वक्र (Curve) की प्रकृति और व्यवहार**

- MU वक्र हमेशा बाएं से दाएं नीचे की ओर गिरता है। यह दर्शाता है कि जैसे-जैसे उपभोग बढ़ता है, हर अगली इकाई से मिलने वाली अतिरिक्त संतुष्टि (Utility) घटती जाती है।

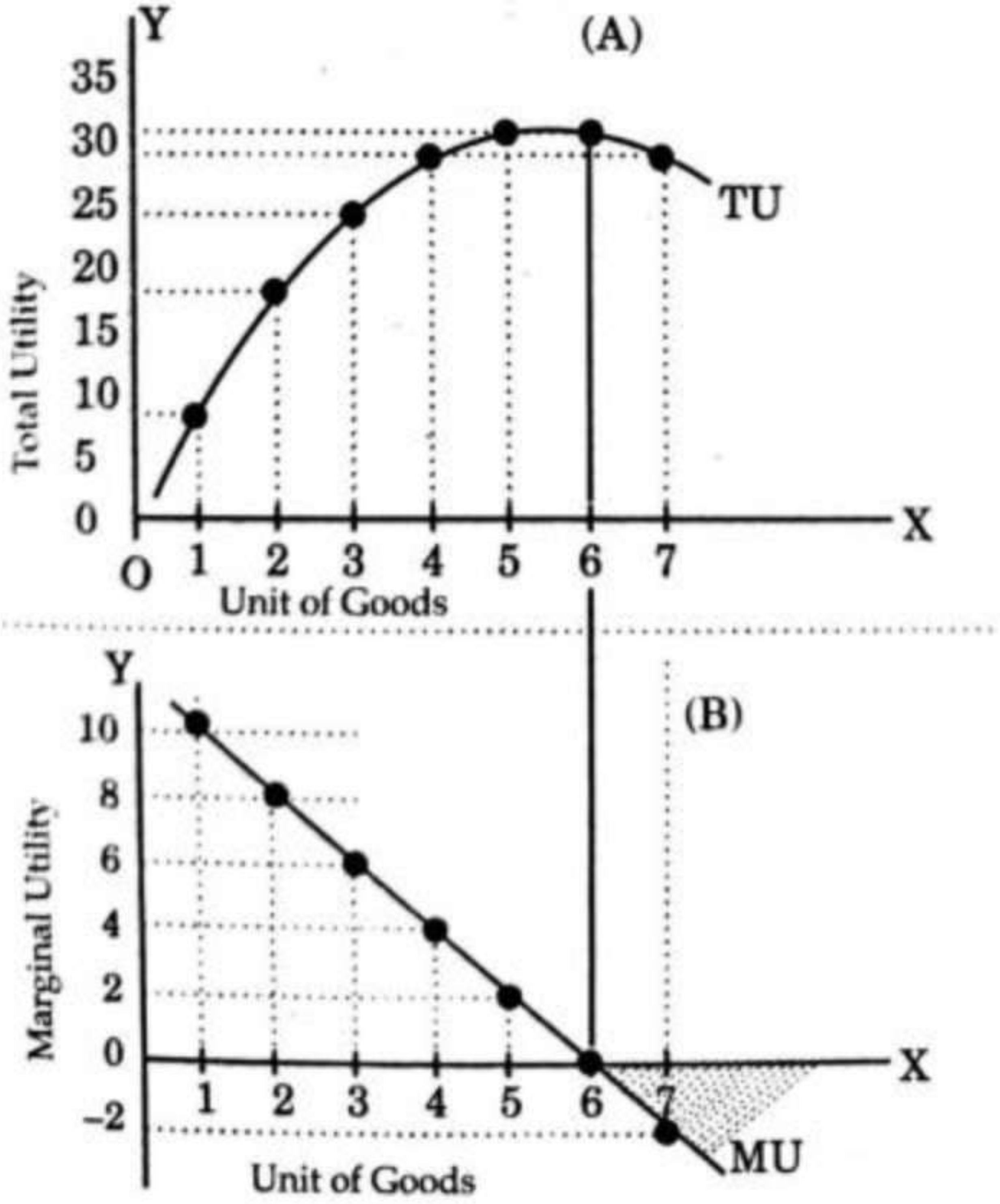

2.2) Marginal Concepts in Economics

1) **Marginal Utility** → the additional satisfaction a consumer gets from consuming one more unit of a good or service
   - o the change in Total Utility

2) **Nature and Behaviour of the Curve**
   - The MU curve always slopes downward from left to right. It shows that as consumption increases, the additional satisfaction (utility) from each successive unit keeps falling.

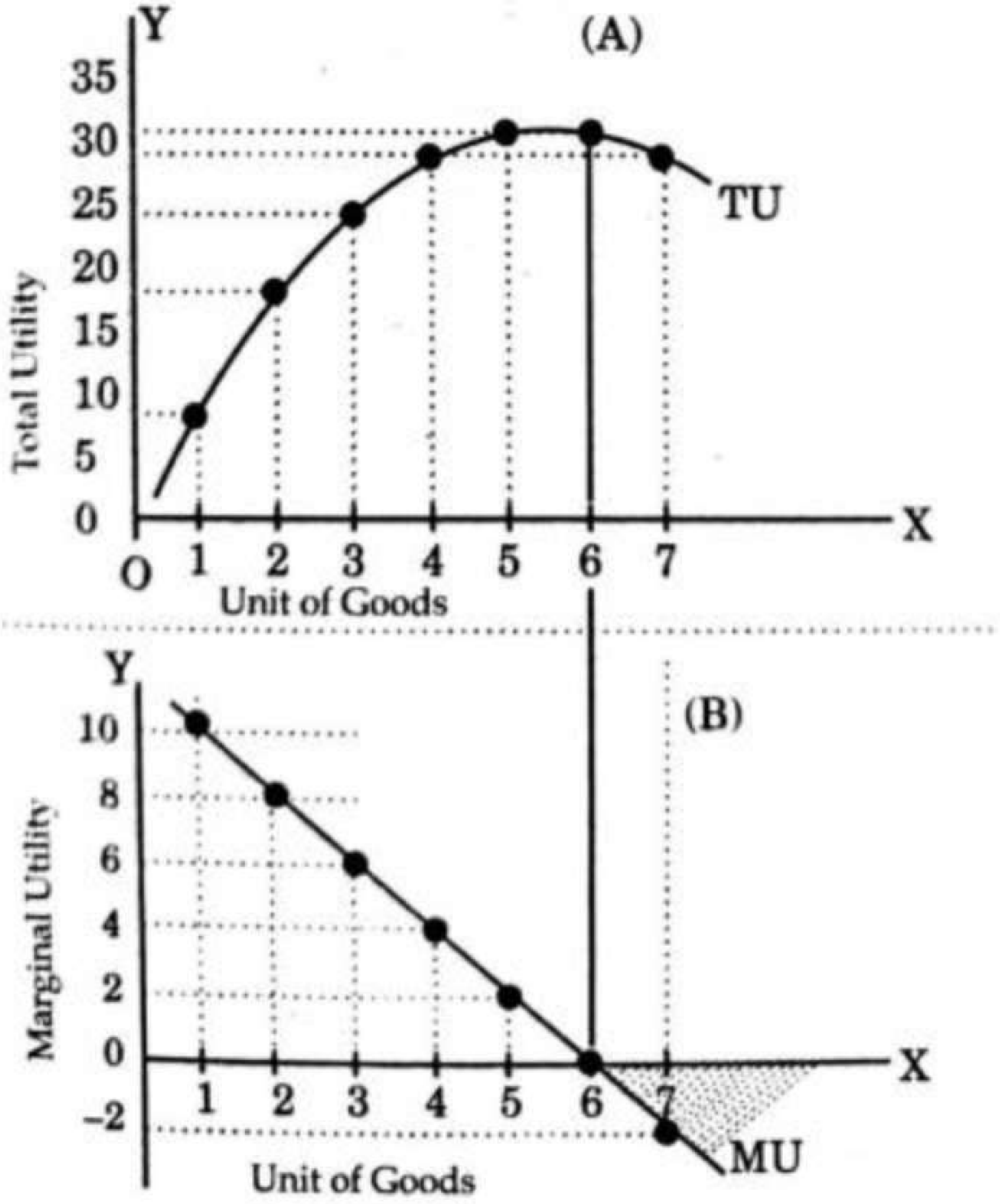

ह्रासमान सीमांत उपयोगिता का नियम (Diminishing Marginal Utility)

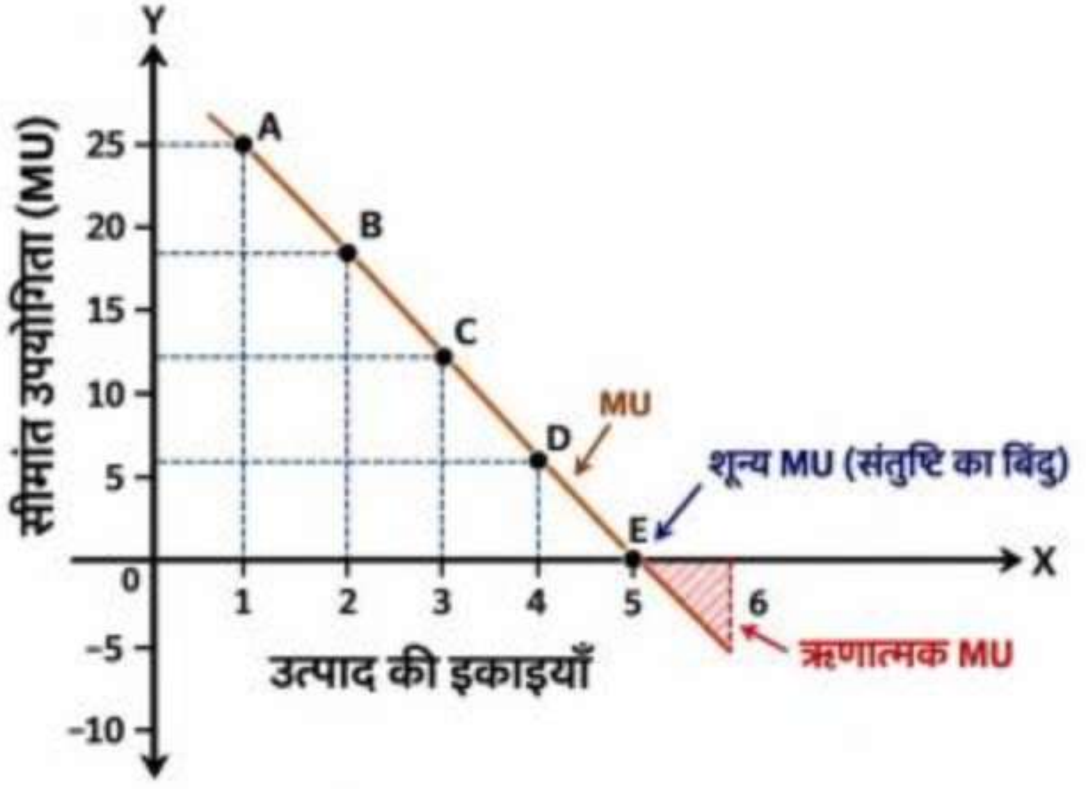

- **एच.एच.गोसेन (1854) — गोसेन का पहला नियम**
- जैसे-जैसे हम किसी वस्तु की लगातार अधिक इकाइयों का उपभोग करते हैं, हर अगली **इकाई से मिलने वाली संतुष्टि (MU) कम** होती जाती है।

❑ नियम की प्रमुख मान्यताएं (Assumptions)

- **निरंतर उपभोग (Continuous Consumption)**
- **समरूप इकाइयां (Homogeneous Units)**
- मानक आकार (Standard Size)
- उपभोक्ता की मानसिक स्थिति स्थिर हो

❑ नियम के अपवाद (Exceptions)

- धन और संपत्ति ✓
- शौक और संग्रह ✓
- नशीले पदार्थ (Intoxicants) ✓

❑ *X-अक्ष (क्षैतिज रेखा): वस्तु की उपभोग की गई इकाइयां (जैसे- 1, 2, 3, 4...)*

❑ *Y-अक्ष (ऊर्ध्वाधर रेखा): सीमांत उपयोगिता (MU) के अंक (जैसे- 10, 8, 6... 0, -2)*

Law of Diminishing Marginal Utility

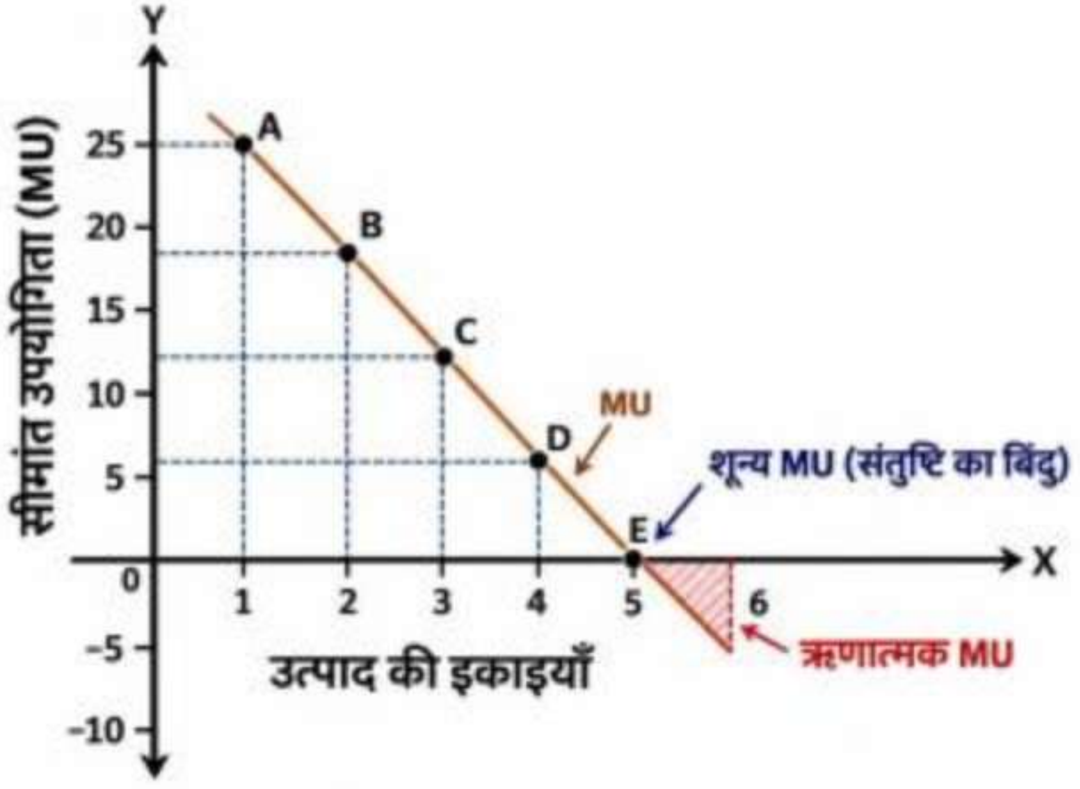

- **H. H. Gossen (1854) — Gossen's First Law**
- As we consume more and more units of a good continuously, the satisfaction (MU) from each successive unit goes on decreasing.

Main Assumptions of the Law

- **Continuous Consumption**
- **Homogeneous Units**
- Standard Size
- The consumer's mental state remains constant

Exceptions to the Law

- Money and Wealth
- Hobbies and Collections
- Intoxicants

- ***X-axis (horizontal line):***
  Units of the good consumed (e.g., 1, 2, 3, 4...))
- ***Y-axis (vertical line):***
  Marginal Utility (MU) values (e.g., 10, 8, 6... 0, -2)

सम-सीमांत उपयोगिता का नियम (Law of Equi-Marginal Utility)

- **गोसेन का द्वितीय नियम** या अधिकतम संतुष्टि का नियम (Law of Maximum Satisfaction)
- नियम → उपभोक्ता अपनी सीमित आय को **विभिन्न वस्तुओं पर इस प्रकार खर्च** करता है कि प्रत्येक वस्तु पर खर्च किए गए अंतिम रुपये से मिलने वाली **सीमांत उपयोगिता बराबर** हो जाए।
- "हर वस्तु पर खर्च किए गए अंतिम रुपये से समान सीमांत उपयोगिता प्राप्त होनी चाहिए।"

सीमांत उत्पाद (Marginal Product – MP)

- **उत्पादन के किसी परिवर्तनशील साधन** (जैसे - श्रम या कच्चा माल) की **एक अतिरिक्त इकाई का उपयोग करने पर कुल उत्पाद में होने वाली वृद्धि,**
- मान लीजिए एक खेत में 2 मजदूर मिलकर 100 किलो गेहूं उगाते हैं। यदि एक तीसरा मजदूर काम पर लगाया जाता है और कुल उत्पादन बढ़कर 120 किलो हो जाता है, तो यहाँ तीसरे मजदूर का **सीमांत उत्पाद 20 किलो (120 - 100)** होगा।

स्टॉक (Stock)	प्रवाह (Flow)
समय के एक निश्चित बिंदु पर मापी गई मात्रा।	एक विशिष्ट समय अवधि के दौरान मापी गई मात्रा।
इसमें समय का कोई आयाम नहीं होता।	समय का आयाम (प्रति दिन/माह/वर्ष) होता है।
यह एक स्थैतिक (Static) अवधारणा है।	यह एक गत्यात्मक (Dynamic) अवधारणा है।
स्टॉक, प्रवाह को प्रभावित करता है	प्रवाह, स्टॉक को प्रभावित करता है
कुल राष्ट्रीय संपत्ति, किसी निश्चित दिन मुद्रा की कुल आपूर्ति या आपका बैंक बैलेंस	मासिक वेतन, राष्ट्रीय आय, एक वर्ष में अर्थव्यवस्था में होने वाला निवेश,

Law of Equi-Marginal Utility

- Gossen's Second Law or the Law of Maximum Satisfaction)
- Law → A consumer spends limited income on different goods in such a way that the marginal utility from the last rupee spent on each good becomes equal.
- "The last rupee spent on every good should yield the same marginal utility."

Marginal Product – MP

- The increase in total product when one additional unit of a variable factor of production (e.g., labour or raw material) is used.
- Suppose 2 workers together grow 100 kg of wheat on a farm. If a third worker is employed and total output rises to 120 kg, the marginal product of the third worker is 20 kg (120 – 100)

Stock	Flow
A quantity measured at a fixed point in time.	A quantity measured over a specific period of time.
It has no time dimension.	It has a time dimension (per day/month/year).
It is a static concept.	It is a dynamic concept.
Stock affects flow	Flow affects stock
Total national wealth, the total supply of money on a given day, or your bank balance	Monthly salary, national income, investment made in the economy during a year

सीमांत लागत (Marginal Cost – MC)

- किसी वस्तु या सेवा की एक अतिरिक्त इकाई (one additional unit) का उत्पादन करने पर कुल लागत (Total Cost) में होने वाली वृद्धि।
  - **उत्पादन में एक यूनिट की वृद्धि करने पर जो अतिरिक्त खर्च आता है,**
- सरल उदाहरण → यदि 10 पेन बनाने की कुल लागत ₹100 है, और 11 पेन बनाने की कुल लागत ₹108 हो जाती है, तो 11वें पेन को बनाने की सीमांत लागत ₹8 होगी।
- अर्थशास्त्र में सीमांत लागत का ग्राफ (MC Curve) **आमतौर पर 'U' आकार का** होता है। शुरुआत में उत्पादन बढ़ने पर यह लागत घटती है, लेकिन कारखाने की क्षमता अपनी सीमा तक पहुंचने के बाद, अतिरिक्त उत्पादन करने पर यह लागत तेजी से बढ़ने लगती है।

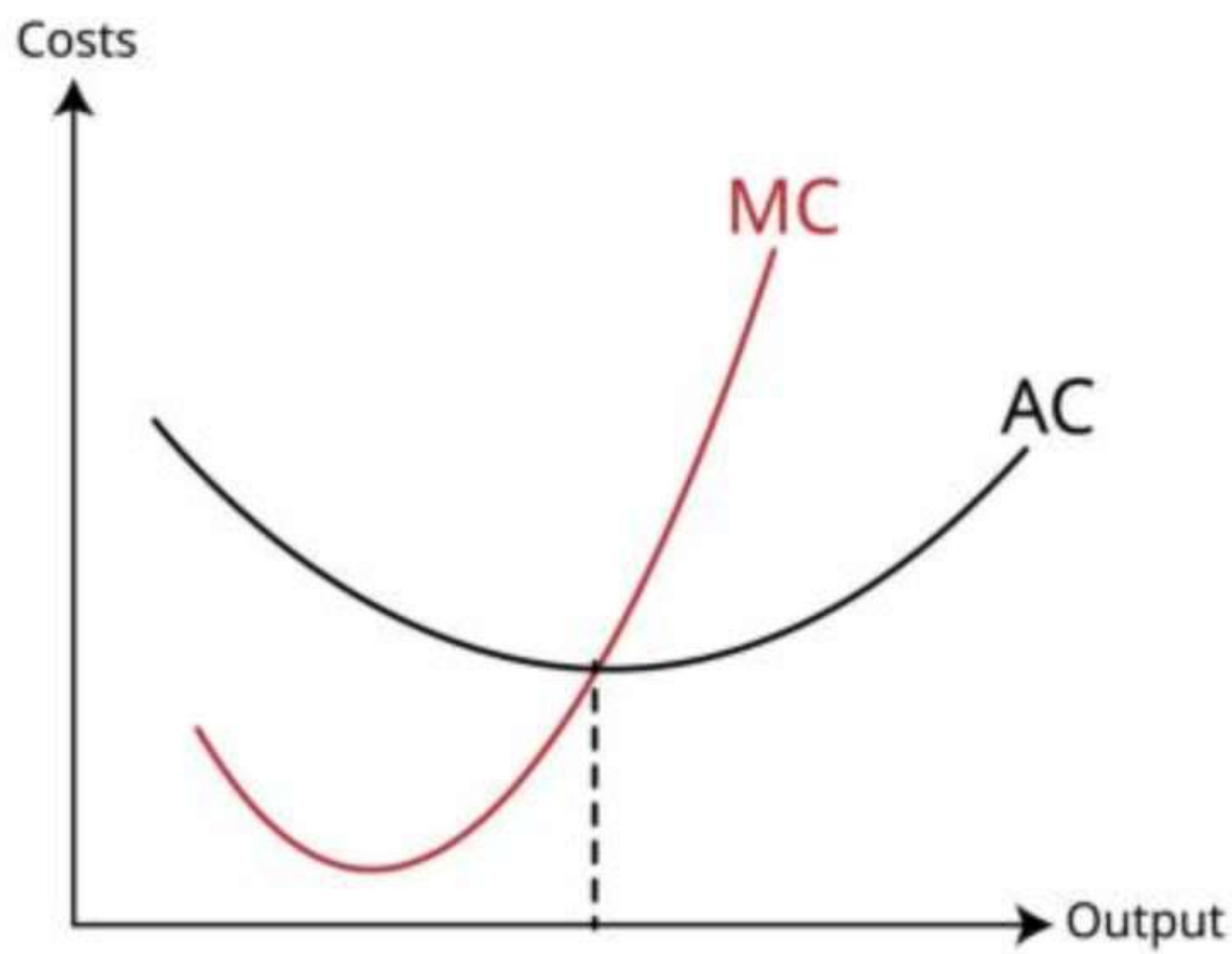

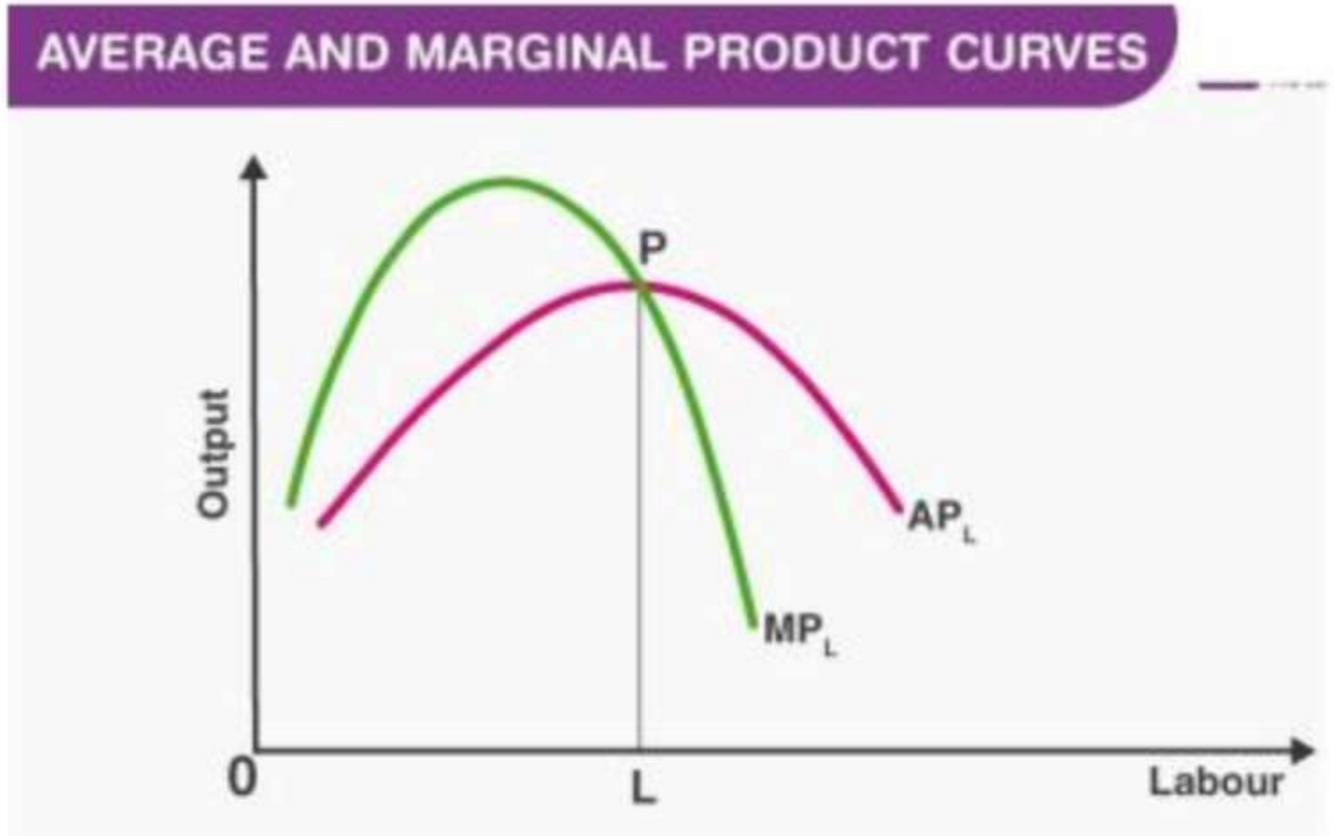

Marginal Cost – MC

- The increase in Total Cost when one additional unit of a good or service is produced
  - **The extra expense incurred when production is increased by one unit.**
- Simple example → If the total cost of making 10 pens is ₹100 and that of making 11 pens becomes ₹108, the marginal cost of making the 11th pen is ₹8.
- In economics, the marginal cost graph (MC curve) is usually 'U'-shaped. Initially the cost falls as output rises, but once the factory's capacity reaches its limit, the cost starts rising sharply with additional production

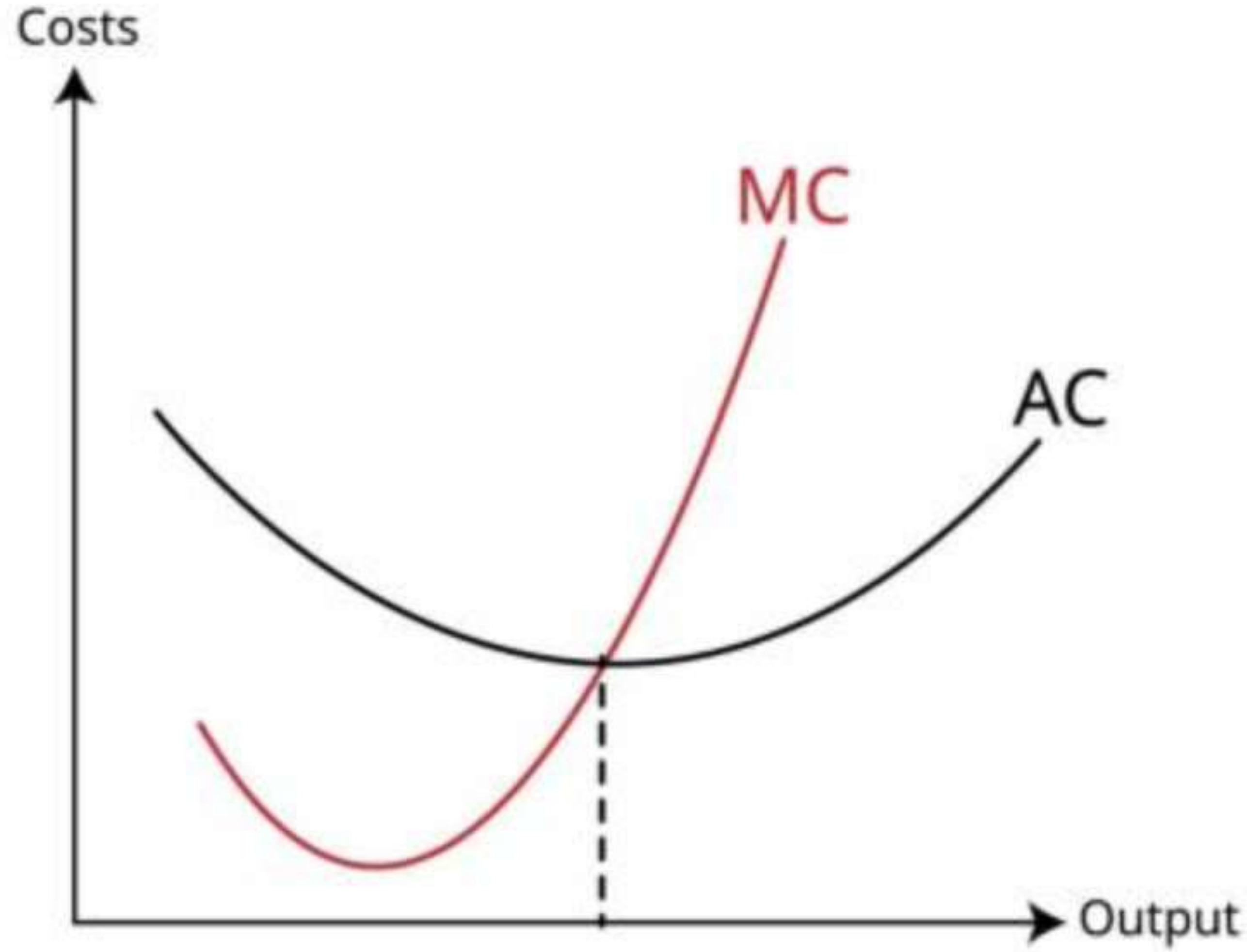

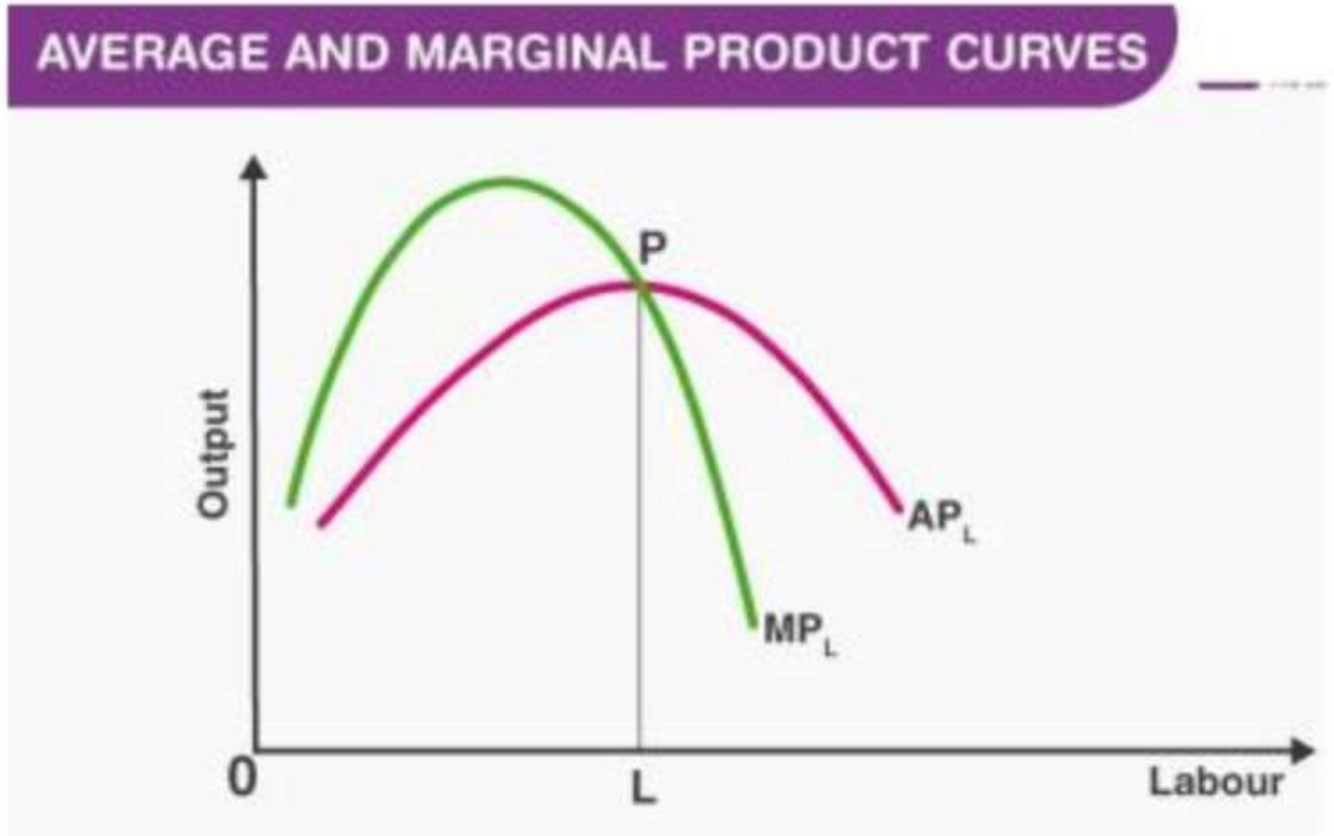

अवधारणा	अर्थ	सूत्र
सीमांत उत्पाद (Marginal Product – MP)	उत्पादन के किसी एक परिवर्ती कारक, जैसे **श्रम की एक अतिरिक्त इकाई** लगाने से कुल उत्पाद (TP) में होने वाला परिवर्तन।	**MP = ΔTP / ΔL**
सीमांत लागत (Marginal Cost – MC)	वस्तु की **एक अतिरिक्त इकाई का उत्पादन** करने से कुल लागत (TC) में होने वाला परिवर्तन।	**MC = ΔTC / ΔQ**
सीमांत राजस्व (Marginal Revenue – MR)	वस्तु की **एक अतिरिक्त इकाई बेचने** से कुल राजस्व (TR) में होने वाला परिवर्तन।	**MR = ΔTR / ΔQ**

Concept	Meaning	Formula
Marginal Product (MP)	The change in Total Product (TP) resulting from adding one additional unit of a variable factor of production, such as labour.	MP = ΔTP / ΔL
Marginal Cost (MC)	The change in Total Cost (TC) resulting from producing one additional unit of a commodity.	MC = ΔTC / ΔQ
Marginal Revenue (MR)	The change in Total Revenue (TR) resulting from selling one additional unit of a commodity.	MR = ΔTR / ΔQ

2.3) उपभोक्ता की बचत (Consumer's Surplus)

- अवधारणा : **अल्फ्रेड मार्शल** (प्रारंभिक विचार — फ्रांसीसी इंजीनियर डुपिट)
- यह किसी वस्तु के लिए उपभोक्ता द्वारा भुगतान करने की तत्परता (Willingness to pay) और वास्तव में भुगतान की गई कीमत (Actual price paid) के बीच का अंतर है
  - ✓ **उपभोक्ता की बचत = उपभोक्ता जो अधिकतम कीमत देने को तैयार है - वास्तविक कीमत जो वह चुकाता है**
- उदाहरण → किसी पुस्तक के लिए आप ₹500 देने को तैयार हैं, पर बाज़ार कीमत ₹350 है — उपभोक्ता की बचत = ₹150
- **आवश्यक वस्तुओं पर उपभोक्ता की बचत बहुत अधिक होती है।**
- **आवश्यक वस्तुओं** की **माँग बेलोचदार (Inelastic)** → कीमत में कितना भी परिवर्तन हो जाए, इनकी माँग की मात्रा में कोई खास बदलाव नहीं आता।

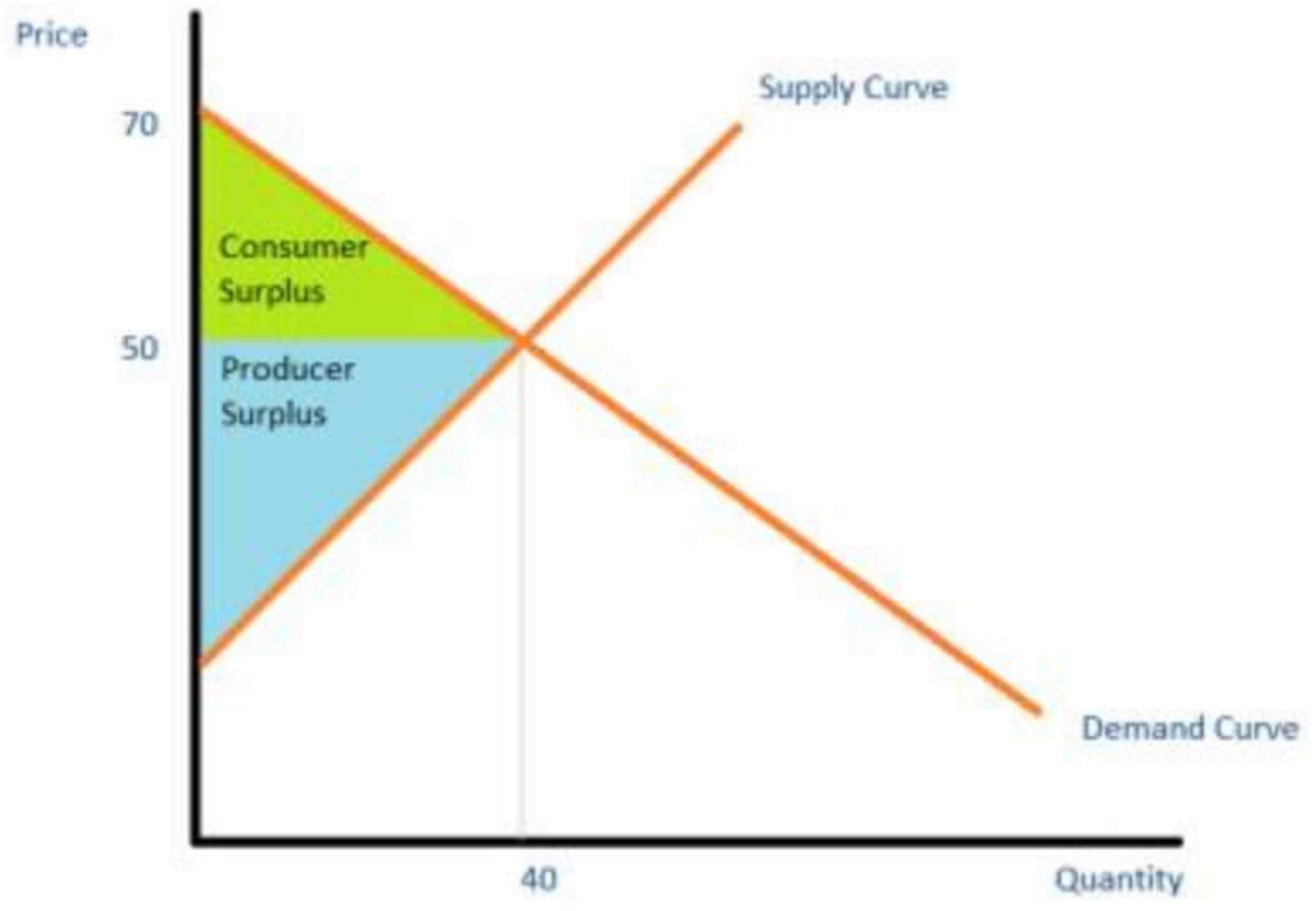

2.3) Consumer's Surplus

- Concept: Alfred Marshall (idea — French engineer Dupuit)
- It is the difference between the consumer's willingness to pay for a good and the actual price paid.
  - ✓ **Consumer's Surplus = Maximum price the consumer is willing to pay – Actual price paid**
- Example → You are willing to pay ₹500 for a book but the market price is ₹350 — Consumer's Surplus = ₹150
- **Consumer's surplus is very high on necessary goods.**
- **Demand for necessary goods is inelastic** → however much the price changes, the quantity demanded shows no significant change.

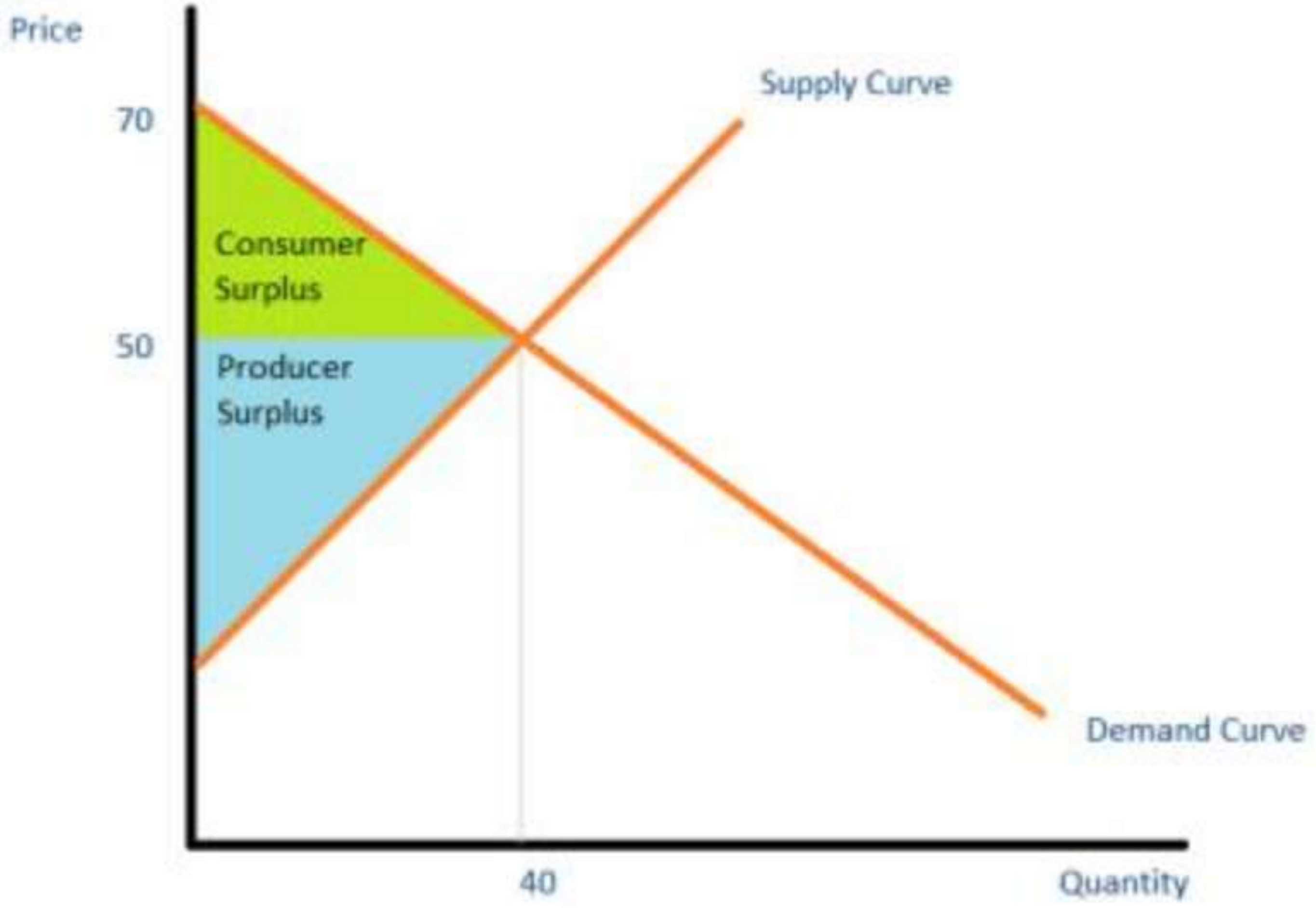

2.4) मूल्य-विरोधाभास (Diamond-Water Paradox)

- अवधारणा : **एडम स्मिथ (Adam Smith)**
- अर्थशास्त्र का एक प्रसिद्ध सिद्धांत है जो इस बात पर विचार करता है कि जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक पानी की कीमत बहुत कम (या शून्य) क्यों होती है, जबकि जीवन के लिए अनावश्यक हीरों (diamonds) की कीमत बहुत अधिक क्यों होती है।
- **समाधान → सीमांत उपयोगिता का सिद्धांत (Marginal Utility Theory)**
  - ✓ किसी वस्तु की कीमत उसकी कुल उपयोगिता (Total Utility) से तय नहीं होती, बल्कि उसकी सीमांत उपयोगिता (Marginal Utility) से तय होती है
  - ✓ हीरे और पानी का विरोधाभास यह स्पष्ट करता है कि बाजार मूल्य (Market Value) वस्तु की जीवन-रक्षक क्षमता से नहीं, बल्कि उसकी उपलब्धता (आपूर्ति) और अंतिम इकाई से मिलने वाली संतुष्टि (सीमांत उपयोगिता) द्वारा निर्धारित होता है।

FOCUS

- *ह्रासमान सीमांत उपयोगिता = **गोसेन का पहला नियम**; सम-सीमांत उपयोगिता = **गोसेन का दूसरा नियम**।*
- ***MU = 0 पर TU अधिकतम;***
- *MU ऋणात्मक हो तो TU घटती है।*
- *उपभोक्ता की बचत = **मार्शल**;*
- *मूल्य-विरोधाभास = **एडम स्मिथ**;*
- *उपयोगिता की इकाई = **यूटिल**।*
- *गणनावाचक = मार्शल;*
- *क्रमवाचक = हिक्स-एलन।*

2.4) Diamond-Water Paradox

- Concept : Adam Smith
- A famous economic principle that asks why water, which is extremely essential for life, has a very low (or zero) price, while diamonds, which are non-essential for life, have a very high price.
- **Solution → The Marginal Utility Theory**
  - ✓ The price of a good is determined not by its Total Utility but by its Marginal Utility
  - ✓ The diamond–water paradox makes clear that market value is determined not by a good's life-sustaining capacity but by its availability and satisfaction from the last unit (MU)

FOCUS

- *Diminishing Marginal Utility = Gossen's First Law;*
- *Equi-Marginal Utility = Gossen's Second Law*
- ***TU is maximum at MU = 0; if MU is negative, TU falls***
- *Consumer's Surplus = Marshall;*
- *Paradox of Value = Adam Smith;*
- *Unit of utility = Util*
- *Cardinal = Marshall*
- *Ordinal = Hicks-Allen.*

2.5) उदासीनता वक्र (Indifference Curve)

- अवधारणा : हिक्स एवं एलन (1934)
- दो वस्तुओं के उन **विभिन्न संयोजनों (combinations) को दर्शाता है, जिनसे किसी उपभोक्ता को समान स्तर की संतुष्टि** प्राप्त होती है।
- **प्रतिस्थापन की सीमांत दर (Marginal Rate of Substitution - MRS)** → वह दर है जिस पर उपभोक्ता एक वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई प्राप्त करने के लिए दूसरी वस्तु की इकाइयों का त्याग करने को तैयार रहता है, बशर्ते उसकी कुल संतुष्टि में कोई परिवर्तन न हो।
- विशेषताएं (Properties)
  - ✓ **दो उदासीनता वक्र कभी एक-दूसरे को नही काटते**
  - ✓ **ऊंचा उदासीनता वक्र अधिक संतुष्टि देता है**
  - ✓ **बाएं से दाएं नीचे की ओर गिरता है (Downward Sloping) :** यदि उपभोक्ता एक वस्तु की मात्रा बढ़ाता है, तो संतुष्टि का स्तर समान रखने के लिए उसे दूसरी वस्तु की मात्रा कम करनी ही पड़ेगी।
  - ✓ **मूल बिंदु की ओर उन्नतोदर :** उपभोक्ता जैसे-जैसे एक वस्तु की मात्रा बढ़ाता है, वह उसके बदले दूसरी वस्तु की कम और कम इकाइयों का त्याग करने को तैयार होता है।

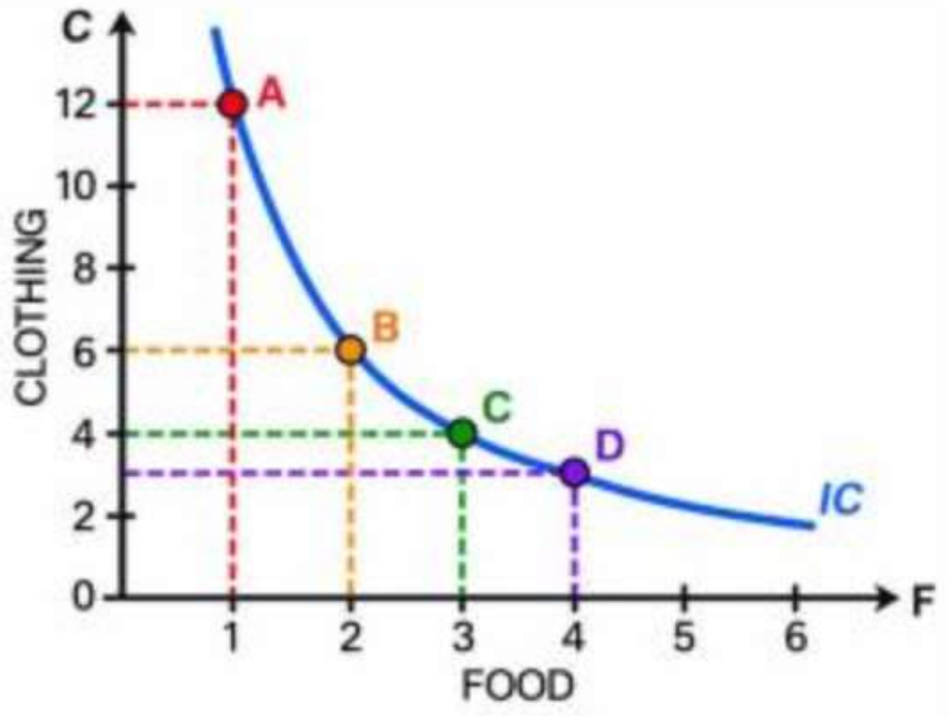

2.5) Indifference Curve

- Concept : Hicks and Allen (1934)
- It shows the various combinations of two goods that give a consumer the same level of satisfaction
- **the rate at which a consumer is willing to give up units of one good to get one additional unit of another good, provided total satisfaction does not change.**
- Properties
  - ✓ **Two indifference curves never intersect each other**
  - ✓ **A higher indifference curve gives greater satisfaction**
  - ✓ **If the consumer increases the quantity of one good, he must reduce the quantity of the other to keep the satisfaction level the same.**
  - ✓ As the consumer increases the quantity of one good, he is willing to give up fewer and fewer units of the other good in exchange

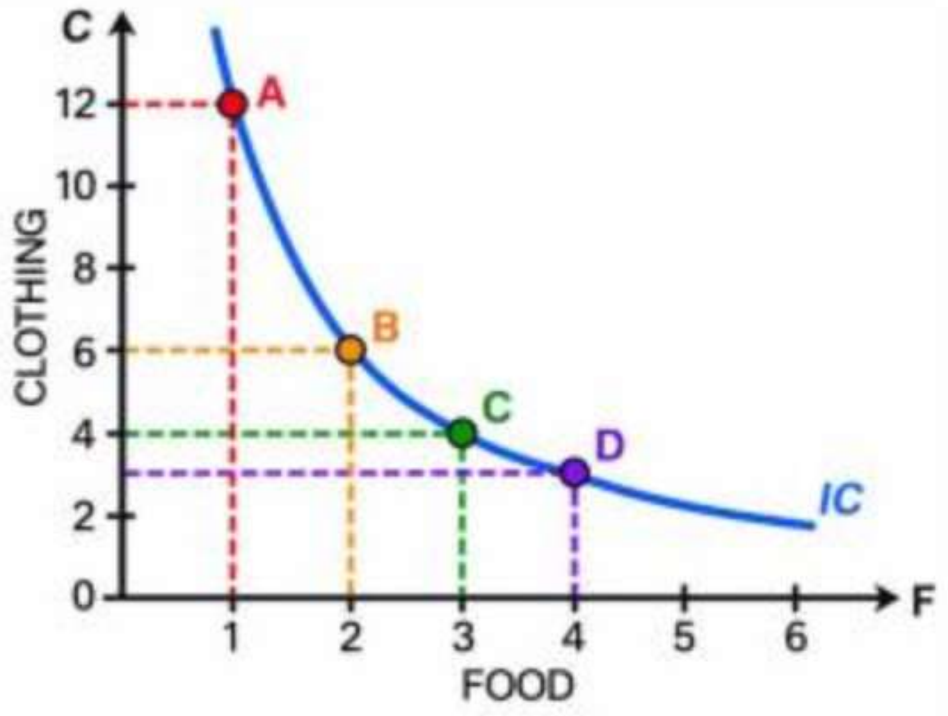

2.6) माँग (Demand)

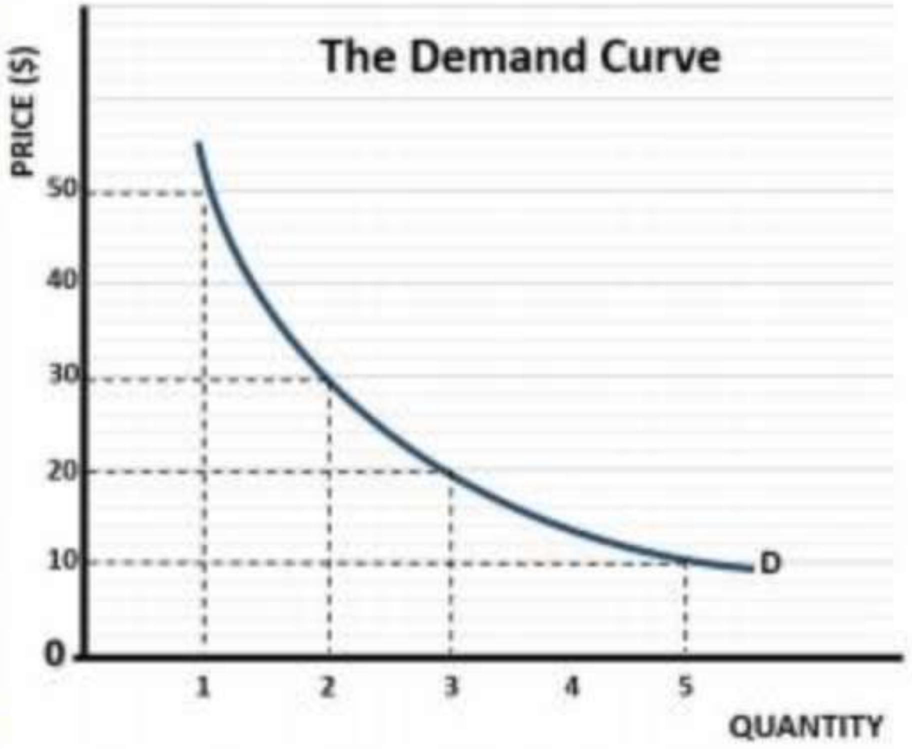

- किसी वस्तु की वह मात्रा जिसे उपभोक्ता **किसी निश्चित समय अवधि में, एक निश्चित कीमत पर** खरीदने के लिए **इच्छुक और सक्षम** होते हैं।
- **माँग का नियम (Law of Demand)** → "अन्य बातें समान रहने पर (Ceteris Paribus), किसी वस्तु की कीमत और उसकी माँग के बीच **विपरीत (Inverse) संबंध** होता है।"
  - ✓ **कीमत (Price) ↑ = माँग (Demand) ↓**
  - ✓ **कीमत (Price) ↓ = माँग (Demand) ↑**
- माँग वक्र → **बाएँ से दाएँ नीचे की ओर (ऋणात्मक ढलान)**

माँग के नियम के अपवाद (Exceptions)

- 1. गिफ़िन वस्तुएँ (Giffen Goods)
- 2. वेबलेन वस्तुएँ (Veblen Goods)
- 3. भविष्य में कीमत-परिवर्तन की प्रत्याशा / सट्टा
- 4. अज्ञानता / कीमत-गुणवत्ता भ्रम
- 5. आपात स्थिति
- 6. अत्यावश्यक वस्तुएँ
- 7. फ़ैशन व आदत

2.7) माँग की लोच (Elasticity of Demand)

- ❑ **माँग की लोच यह बताती है कि माँग में "कितना" (परिमाण) परिवर्तन होगा।**
- ❑ **परिभाषा** → किसी वस्तु की कीमत, उपभोक्ता की आय या संबंधित वस्तुओं की कीमत में परिवर्तन के प्रति उस वस्तु की माँगी गई मात्रा की संवेदनशीलता (Responsiveness) को 'माँग की लोच' कहा जाता है।
- ❑ माँग की लोच के प्रकार
  - ✓ **माँग की कीमत लोच (Price Elasticity) :** कीमत में बदलाव के कारण माँग में होने वाला प्रतिशत परिवर्तन।
  - ✓ **माँग की आय लोच (Income Elasticity) :** उपभोक्ता की आय में बदलाव के कारण माँग में होने वाला प्रतिशत परिवर्तन।
  - ✓ **माँग की आड़ी/तिरछी लोच (Cross Elasticity) :** एक वस्तु की कीमत में बदलाव के कारण दूसरी संबंधित वस्तु की माँग में होने वाला परिवर्तन।

कीमत लोच (Price Elasticity of Demand)

प्रकार	मान	माँग वक्र	अर्थ व उदाहरण
पूर्णतः लोचदार (Perfectly Elastic)	$E_p = \infty$	**क्षैतिज**	○ कीमत में अत्यंत सूक्ष्म परिवर्तन से माँग में अनंत परिवर्तन हो जाता है। ○ पूर्ण प्रतियोगिता बाजार (एक काल्पनिक स्थिति)
सापेक्षतः लोचदार (Relatively Elastic)	$E_p > 1$	**चपटा (Flatter)**	○ कीमत में छोटे परिवर्तन से माँग में बड़ा परिवर्तन; ○ कीमत में हुए परिवर्तन की तुलना में माँग में अधिक परिवर्तन ○ विलासिता की वस्तुएं (Luxury Goods - AC, कार, आभूषण)
इकाई लोचदार (Unitary Elastic)	$E_p = 1$	**आयताकार अतिपरवलय**	○ कीमत और माँग में बिल्कुल समान आनुपातिक परिवर्तन होता है ○ सामान्य आरामदायक वस्तुएं
सापेक्षतः बेलोचदार (Inelastic)	$E_p < 1$	**खड़ा (Steeper)**	○ कीमत में हुए परिवर्तन की तुलना में माँग में कम परिवर्तन होता है। ○ **पानी, आटा, चावल, नमक, दवाएँ** जैसी आवश्यक वस्तुएँ
पूर्णतः बेलोचदार (Perfectly Inelastic)	$E_p = 0$	**लंबवत**	○ कीमत कुछ भी हो, माँग अपरिवर्तित। ○ उदाहरण: आपात स्थिति में जीवन-रक्षक दवा (जैसे इंसुलिन), नमक

मांग की कीमत-लोच की पाँच अवस्थाएँ

1. पूर्णतः लोचदार मांग

Ed = ∞

कीमत में बहुत मामूली वृद्धि होने पर माँग शून्य हो जाती है, जबकि मामूली गिरावट पर माँग बहुत अधिक हो सकती है।

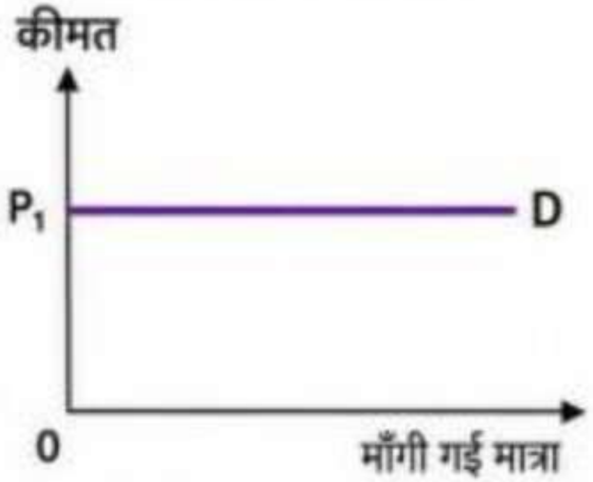

X-अक्ष के समानांतर (क्षैतिज)

अर्थ व उदाहरण

पूर्ण प्रतियोगी बाजार में ऐसी वस्तुएँ, जहाँ विक्रेता कीमत-निर्धारक नहीं होते; जैसे—गेहूँ, चावल आदि।

2. सापेक्षतः लोचदार मांग

Ed > 1

कीमत में छोटे परिवर्तन से माँग में अपेक्षाकृत बड़ा परिवर्तन होता है। उपभोक्ता कीमत के प्रति संवेदनशील होते हैं।

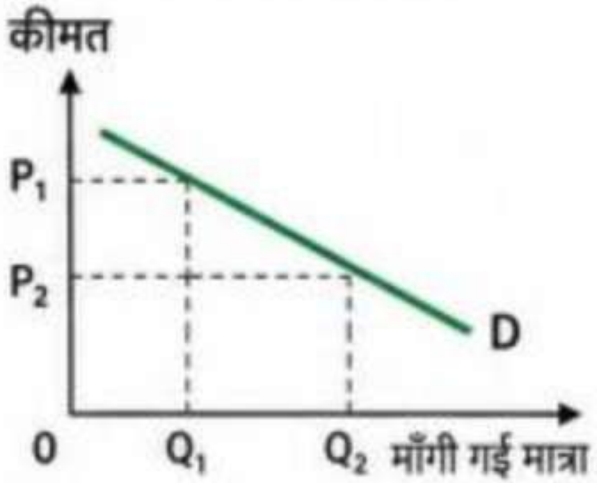

चपटा वक्र (Flatter Curve)

अर्थ व उदाहरण

विलासिता वस्तुएँ या वे वस्तुएँ जिनके अनेक विकल्प उपलब्ध हों; जैसे—ब्रांडेड पेय, महँगे कपड़े, रेस्टोरेंट भोजन।

3. इकाई लोचदार मांग

Ed = 1

कीमत में प्रतिशत परिवर्तन और माँग में प्रतिशत परिवर्तन समान होते हैं।

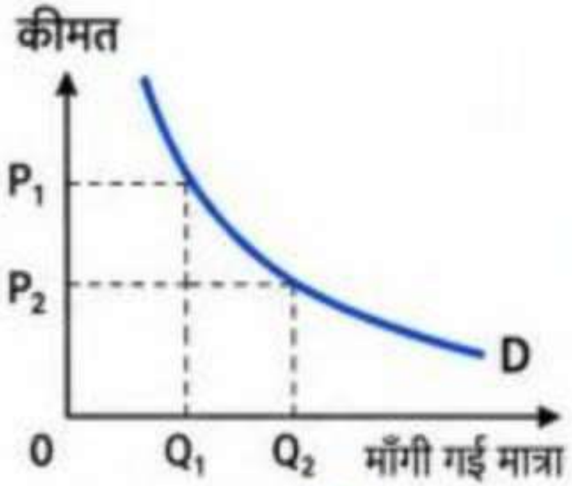

आयताकार अतिपरवलय (Rectangular Hyperbola)

अर्थ व उदाहरण

इस स्थिति में कुल व्यय (TR) स्थिर रहता है। कीमत और माँग में समानुपाती परिवर्तन होता है।

4. सापेक्षतः बेलोचदार मांग

Ed < 1

माँग में परिवर्तन, कीमत के परिवर्तन की तुलना में कम अनुपात में होता है।

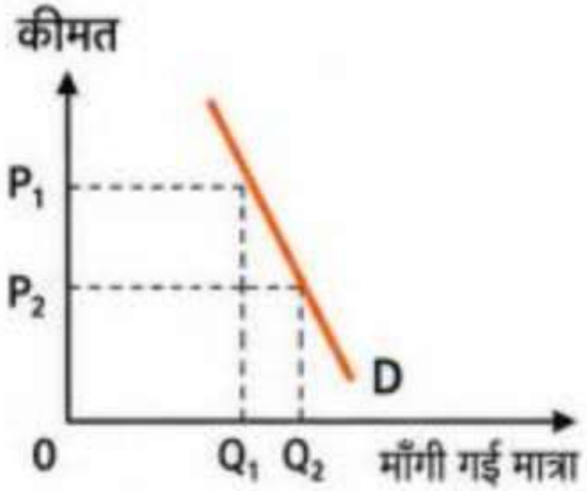

खड़ा वक्र (Steeper Curve)

अर्थ व उदाहरण

आवश्यक वस्तुएँ; जैसे—पानी, आटा, चावल, नमक, दवाएँ। इनकी माँग कीमत बदलने पर बहुत कम बदलती है।

5. पूर्णतः बेलोचदार मांग

Ed = 0

कीमत कुछ भी हो, माँग में कोई परिवर्तन नहीं होता।

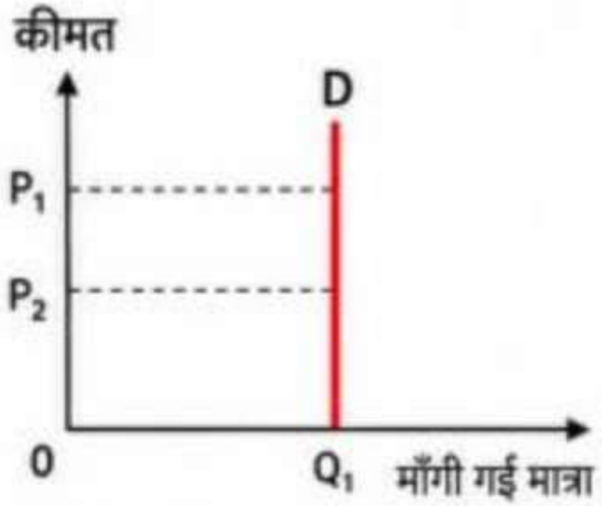

Y-अक्ष के समानांतर (लंबवत)

अर्थ व उदाहरण

आपात स्थिति में जीवन-रक्षक दवाएँ; जैसे—इंसुलिन। ऐसी वस्तुओं की माँग अपरिवर्तित रहती है।

THE FIVE DEGREES OF PRICE ELASTICITY OF DEMAND

1 PERFECTLY ELASTIC DEMAND

Ed = ∞

A very small rise in price makes demand fall to zero, whereas a small fall in price may make demand very large.

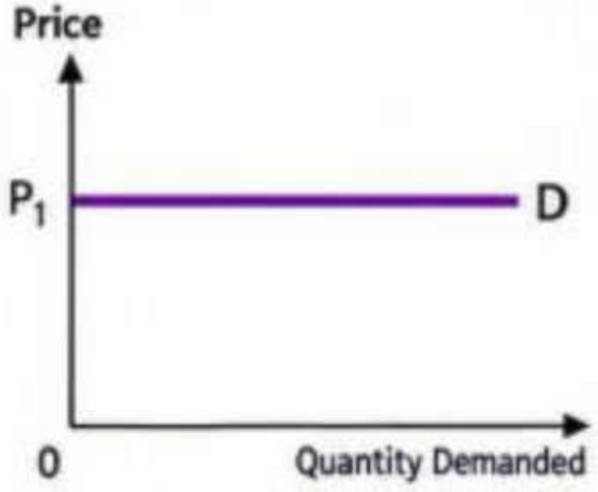

PARALLEL TO X-AXIS (HORIZONTAL)

Meaning & Example

Goods in a perfectly competitive market, where sellers are not price-makers; for example—wheat, rice, etc.

2 RELATIVELY ELASTIC DEMAND

Ed > 1

A small change in price causes a relativelly large change in demand. Consumers are sensitive to price.

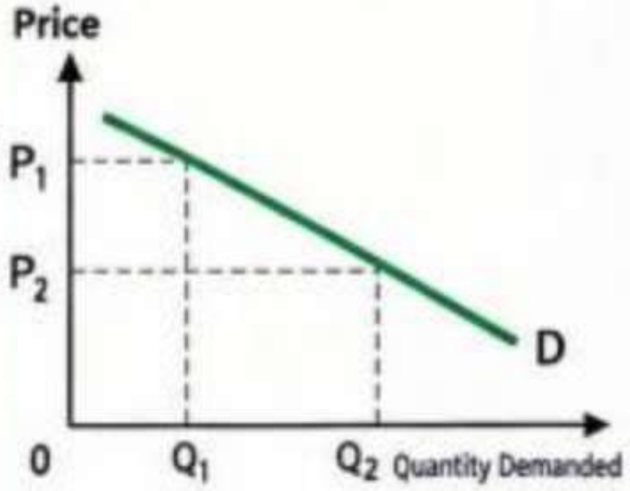

FLATTER CURVE

Meaning & Example

Luxury goods or goods with many available substitutes; for example—branded drinks, expensive clothes, restaurant meals.

3 UNITARY ELASTIC DEMAND

Ed = 1

Percentage change in price and percentage change in demand are equal.

RECTANGULAR HYPERBOLA

Meaning & Example

In this case, total expenditure (TR) remains constant. Price and demand change proportionately.

4 RELATIVELY INELASTIC DEMAND

Ed < 1

Change in demand is proportionately smaller than the change in price.

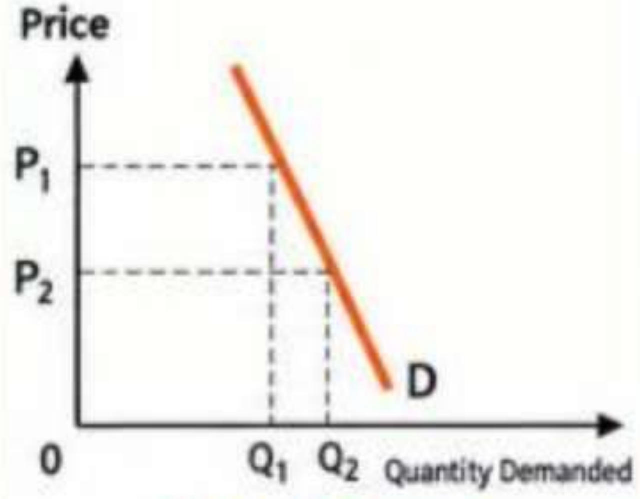

STEEPER CURVE

Meaning & Example

Essential goods such as water, flour, rice, salt, and medicines. Their demand changes very little when price changes.

5 PERFECTLY INELASTIC DEMAND

Ed = 0

Whatever the price may be, there is no change in demand.

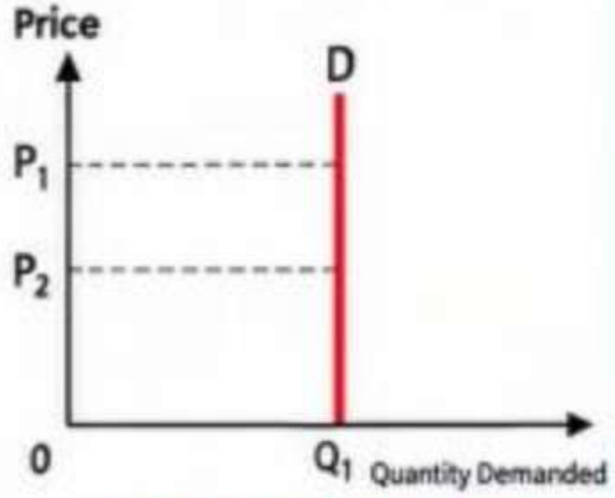

PARALLEL TO Y-AXIS (VERTICAL)

Meaning & Example

Life-saving drugs in emergency situations; for example—insulin. Demand for such goods remains unchanged.

कीमत लोच के निर्धारक
(Determinants of Price Elasticity of Demand)

1 निकट स्थानापन्नों की उपलब्धता

जितने अधिक विकल्प, उतनी अधिक लोच।

2 वस्तु की प्रकृति

आवश्यकताएँ → बेलोचदार;
विलासिताएँ → लोचदार।

3 आय में वस्तु पर व्यय का अनुपात

छोटा अनुपात (माविस, नमक) → बेलोंन्दार;
बड़ा अनुपात → लोचदार।

4 वस्तु के उपयोगों की संख्या

अधिक उपयोग (बिजली, दूध) →
अधिक लोच।

5 समय अवधि

अल्पकाल में कम, दीर्घकाल में अधिक लोच
(विकल्प खोजने का समय मिलता है)।

6 आदत / लत

सिगरेट, शराब → बेलोचदार।

7 उपभोग का स्थगन

जिस वस्तु की खरीद टाली जा सके,
वह लोचदार।

8 कीमत स्तर

बहुत ऊँची या बहुत नीची कीमत वाली
वस्तुएँ प्रायः कम लोचदार।

Determinants of Price Elasticity of Demand

1 Availability of Close Substitutes

The more substitutes available, the greater the elasticity.

2 Nature of the Commodity

Necessities → Inelastic; Luxuries → Elastic.

3 Proportion of Income Spent on the Commodity

Small proportion (matchbox, salt) → Inelastic; Large proportion → Elastic.

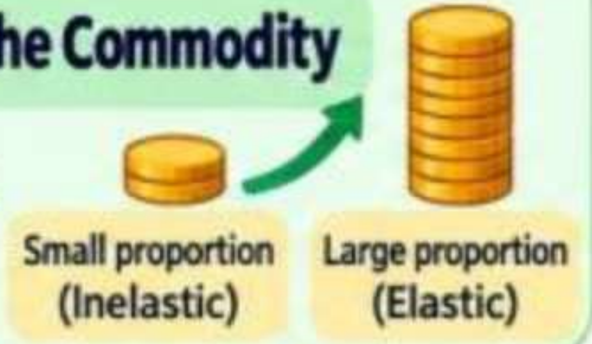

4 Number of Uses of the Commodity

More uses (electricity, milk) → Greater elasticity.

5 Time Period

Elasticity is lower in the short run and higher in the long run (because consumers get time to find alternatives).

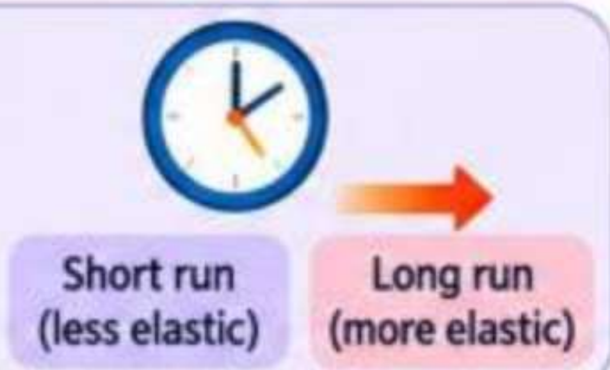

6 Habit / Addiction

Cigarettes, alcohol → Inelastic.

7 Postponement of Consumption

A commodity whose purchase can be postponed is elastic.

8 Price Level

Very high-priced or very low-priced goods are generally less elastic.

2.8) आय लोच (Income Elasticity of Demand)

परिभाषा : उपभोक्ता की आय (Income) में परिवर्तन के परिणामस्वरूप माँग में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन की माप

आय लोच का प्रकार	प्रतीक / मान	वस्तु की प्रकृति	माँग पर प्रभाव (आय बढ़ने पर)	उदाहरण
धनात्मक (इकाई से अधिक)	$E_y > 1$	विलासिता की वस्तुएं (Luxury Goods)	आय की तुलना में माँग में **अधिक** वृद्धि	कार, एसी, महँगे आभूषण
धनात्मक (इकाई से कम)	$0 < E_y < 1$	सामान्य अनिवार्य वस्तुएं (Necessities)	आय की तुलना में माँग में **कम** वृद्धि	कपड़े, सामान्य भोजन
धनात्मक (इकाई के बराबर)	$E_y = 1$	आरामदायक वस्तुएं (Comfort Goods)	आय और माँग में **समान** अनुपात में वृद्धि	अच्छे फर्नीचर, बेहतर गैजेट्स
ऋणात्मक	$E_y < 0$	निम्न कोटि / गिफिन वस्तुएं (Inferior Goods)	माँग में **कमी** आती है	मोटा अनाज, डालडा घी, सस्ते कपड़े
शून्य	$E_y = 0$	अत्यधिक अनिवार्य वस्तुएं (Highly Essential)	माँग **स्थिर** रहती है (कोई प्रभाव नही)	नमक, माचिस, जीवन रक्षक दवाएं

Income Elasticity of Demand

Types of YED with simple diagrammatic representation

1 High Income Elasticity
(YED > 1)

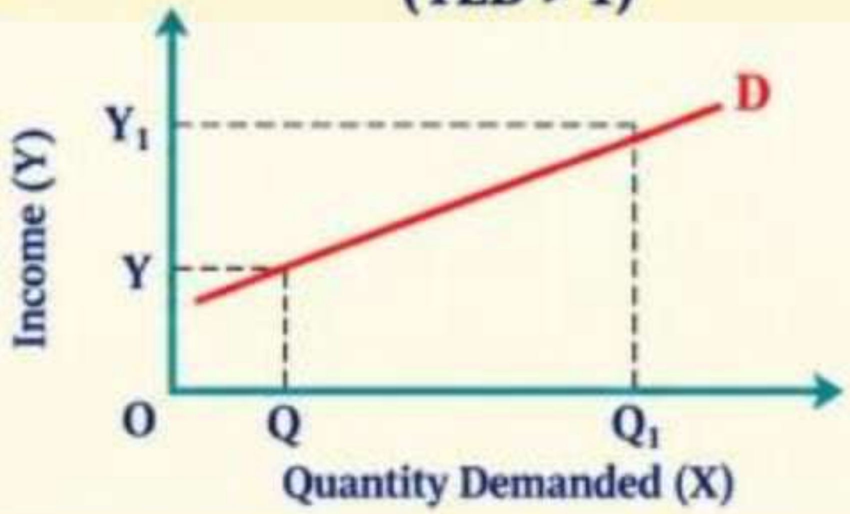

Demand rises more than proportionately as income rises (**Luxury goods**).

2 Unitary Income Elasticity
(YED = 1)

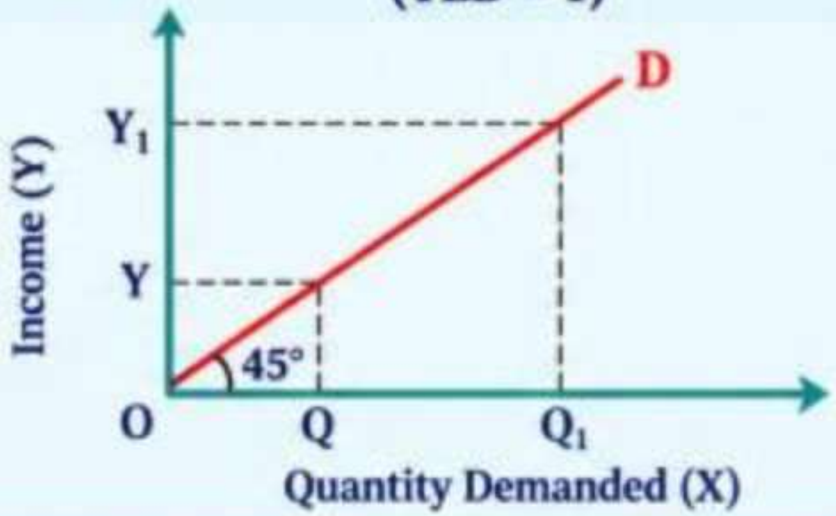

Demand rises in the same proportion as income.

3 Low Income Elasticity
(0 < YED < 1)

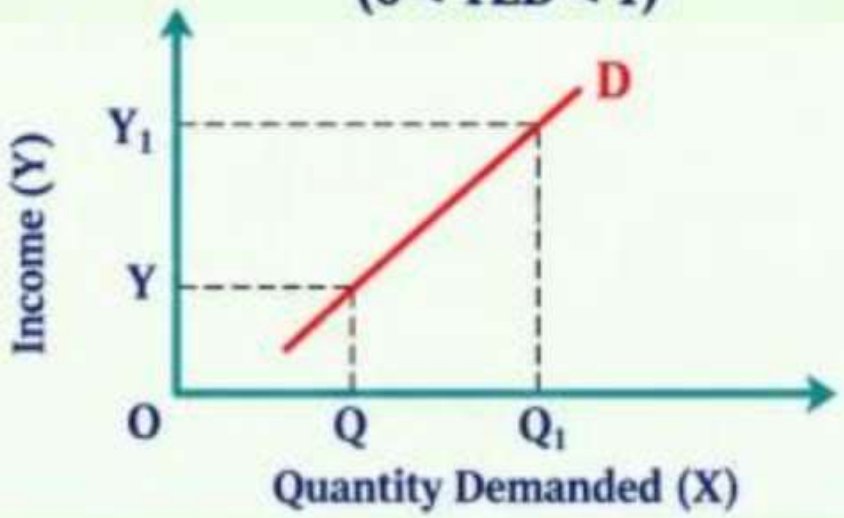

Demand rises less than proportionately as income rises (**Necessities**).

4 Zero Income Elasticity
(YED = 0)

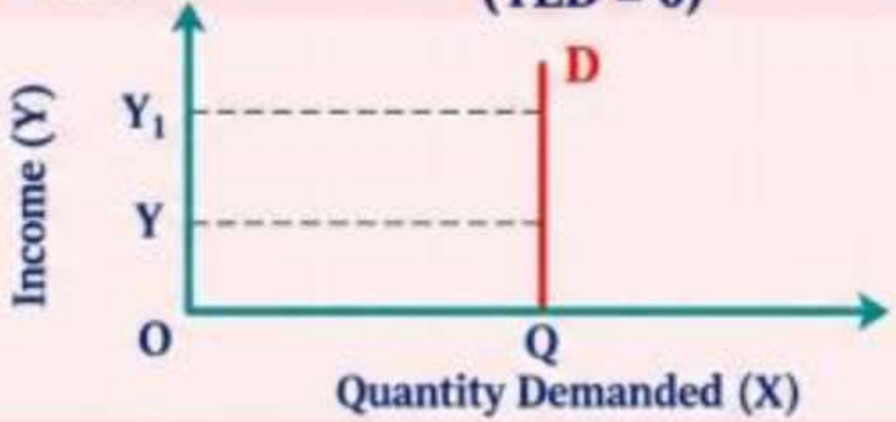

Demand does not change when income changes.

5 Negative Income Elasticity
(YED < 0)

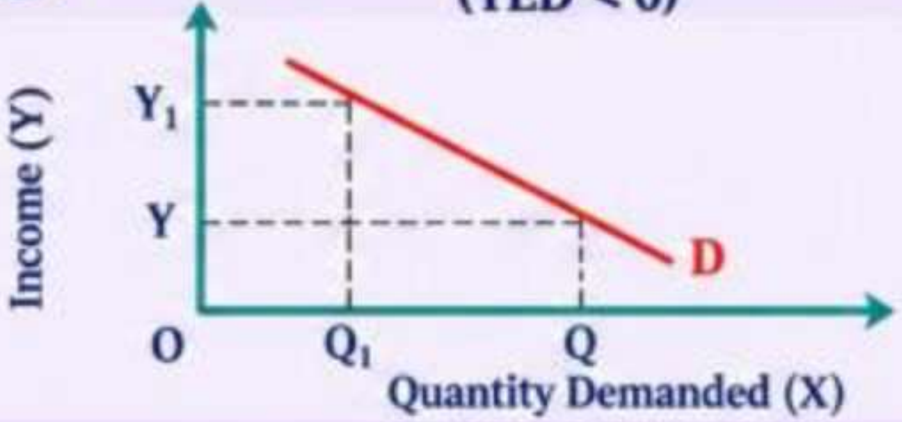

Demand falls as income rises (**Inferior goods**).

माँग की आय लोच

YED के प्रकारों का सरल आरेखीय निरूपण

1 उच्च आय लोच
(YED > 1)

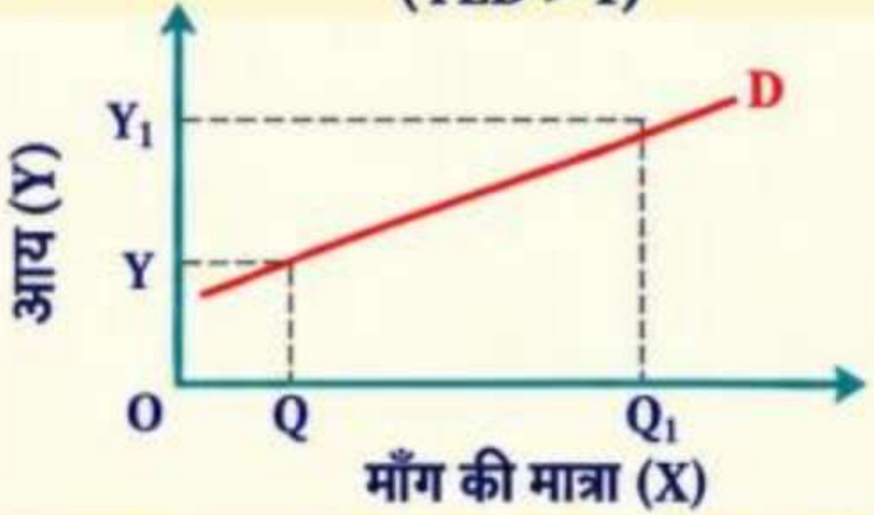

आय बढ़ने पर माँग अनुपात से अधिक बढ़ती है **(विलासिता की वस्तुएँ)।**

2 एकात्मक आय लोच
(YED = 1)

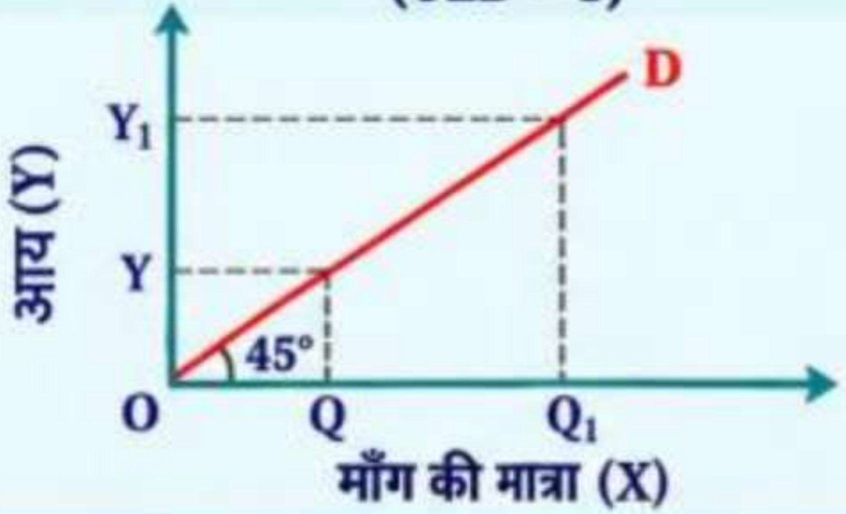

आय बढ़ने पर माँग उसी अनुपात में बढ़ती है।

3 निम्न आय लोच
(0 < YED < 1)

आय बढ़ने पर माँग अनुपात से कम बढ़ती है **(आवश्यक वस्तुएँ)।**

4 शून्य आय लोच
(YED = 0)

आय में परिवर्तन होने पर माँग में कोई परिवर्तन नहीं होता।

5 ऋणात्मक आय लोच
(YED < 0)

आय बढ़ने पर माँग घटती है **(हीन वस्तुएँ)।**

एंजेल का नियम (Engel's Law)

आय (Income) और उपभोग (Consumption) के बीच संबंध

1857

- अर्नस्ट एंजेल (Ernst Engel)
- जर्मन सांख्यिकीविद

1 नियम क्या कहता है?

"जैसे-जैसे किसी परिवार की आय बढ़ती है, उसकी आय का वह प्रतिशत, जो **भोजन (Food / आवश्यक वस्तुओं)** पर खर्च होता है, **घटने लगता है;** भले ही भोजन पर कुल खर्च बढ़ जाए।"

2 प्रतिशत क्यों घटता है?

1. **भूख की भौतिक सीमा** — आय बढ़ने पर व्यक्ति असीमित भोजन नहीं कर सकता, केवल गुणवत्ता बेहतर होती है।
2. आवश्यक वस्तुओं की माँग अपेक्षाकृत **बेलोचदार (Inelastic)** होती है।
3. आय बढ़ने पर खर्च का बड़ा हिस्सा **शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन, यात्रा और विलासिता (Luxury)** की वस्तुओं की ओर स्थानांतरित हो जाता है।

3 सरल उदाहरण

मासिक आय (₹)	भोजन पर खर्च (₹) और प्रतिशत
₹20,000	₹8,000 (40%)
₹2,00,000	₹30,000 (15%)

ध्यान दें: भोजन पर कुल खर्च बढ़ा, लेकिन आय में उसका प्रतिशत घट गया।

आय बढ़ने पर भोजन का प्रतिशत घटता है

4 अर्थव्यवस्था में महत्व

- **जीवन स्तर** (Standard of Living) मापने में उपयोगी
- **निम्न एंजेल गुणांक** (Low Engel"s Coefficient) → विकसित / समृद्ध अर्थव्यवस्था का संकेत
- **उच्च एंजेल गुणांक** → गरीब / विकासशील अर्थव्यवस्था का संकेत

सार: आय बढ़ने पर भोजन पर व्यय का कुल मूल्य बढ़ सकता है, लेकिन कुल आय में उसका हिस्सा घटता है।

Engel's Law

Relationship between Income and Consumption

1857
- Ernst Engel
- German Statistician

1 What Does the Law Say?

"As a family's **income increases**, the proportion of its income spent on **food (or essential goods)** tends **to decline**, even though the total amount spent on food may increase."

2 Why Does the Percentage Fall?

1. **Physical limit of hunger** — As income rises, a person cannot consume unlimited food; only the quality of food improves.
2. Demand for essential goods is relatively **inelastic.**
3. As income rises, a larger share of expenditure shifts toward **education, health, entertainment, travel, and luxury goods.**

3 Simple Example

Monthly Income (₹)	Expenditure on Food (₹) and Percentage
₹20,000	₹8,000 (40%)
₹2,00,000	₹30,000 (15%)

Note: Total spending on food increased, but its share in total income declined.

As income rises, the share spent on food falls

4 Importance in Economics

- Useful in measuring the standard of living.
- Low Engel's Coefficient → Sign of a developed / prosperous economy.
- High Engel's Coefficient → Sign of a poor / developing economy.

Summary: As income rises, total spending on food may increase, but its share in total income declines.

2.9) आड़ी / पारस्परिक-मूल्य लोच (Cross-Price Elasticity)

परिभाषा : एक वस्तु (Y) की कीमत में परिवर्तन से दूसरी वस्तु (X) की माँग में होने वाले परिवर्तन का माप।

प्रकार	मान	वस्तुओं का संबंध	उदाहरण
धनात्मक आड़ी लोच (Positive)	**Exy > 0**	स्थानापन्न वस्तुएँ (Substitutes)	चाय-कॉफी
ऋणात्मक आड़ी लोच (Negative)	**Exy < 0**	पूरक वस्तुएँ (Complements)	कार-पेट्रोल
शून्य आड़ी लोच (Zero)	**Exy = 0**	असंबंधित वस्तुएँ (Unrelated Goods)	नमक-मोबाइल

- ***धनात्मक आड़ी लोच (+)*** *का मतलब है कि वस्तुएं* ***एक-दूसरे की प्रतिस्पर्धी*** *(Competitors/Substitutes) हैं। (कॉफी महँगी हुई →लोग चाय पीने लगे →चाय की माँग बढ़ी)।*
- ***ऋणात्मक आड़ी लोच (-)*** *का मतलब है कि वस्तुएं* ***एक-दूसरे की सहयोगी*** *(Complements) हैं। (पेट्रोल महँगा हुआ →कार चलाना महँगा हो गया →कार की माँग घटी)।*

2.10) आपूर्ति / पूर्ति (Supply)

- किसी वस्तु की वह विशिष्ट मात्रा जिसे एक विक्रेता या उत्पादक किसी निश्चित समय अवधि में, एक दी गई **कीमत पर बाज़ार में बेचने** के लिए **इच्छुक और सक्षम** होता है
- **पूर्ति का नियम (Law of Supply)** → यदि अन्य बातें समान रहें (Ceteris Paribus), तो किसी वस्तु की कीमत (Price) बढ़ने पर उसकी आपूर्ति बढ़ जाती है, और कीमत घटने पर आपूर्ति घट जाती है।
  - ✓ **कीमत ↑ → आपूर्ति ↑**
  - ✓ **कीमत ↓ → आपूर्ति ↓**
- आपूर्ति वक्र— बाएँ से दाएँ ऊपर की ओर (धनात्मक ढलान)।

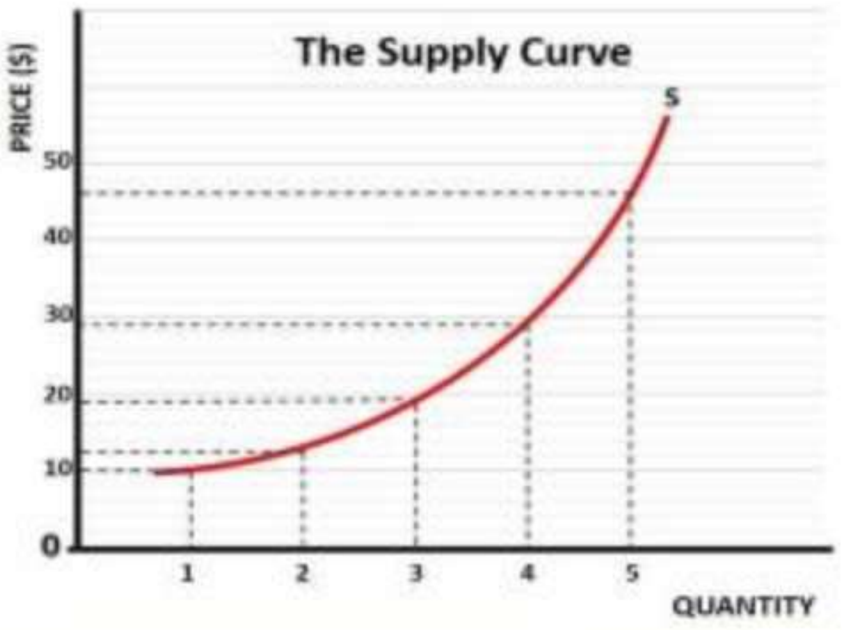

अपवाद (Exceptions)

1) ***श्रम की पीछे मुड़ती आपूर्ति वक्र*** : एक सीमा के बाद मज़दूरी बढ़ने पर श्रमिक अवकाश को अधिक महत्व देते हैं और कम घंटे काम करते हैं।
2) नाशवान वस्तुएँ (सब्ज़ी, फल) – कीमत गिरने पर भी शीघ्र बेचनी पड़ती हैं।
3) दुर्लभ वस्तुएँ (पुरानी पेंटिंग) – आपूर्ति स्थिर, पूर्णतः बेलोचदार।
4) कृषि उत्पाद – अल्पकाल में उत्पादन मौसम पर निर्भर।
5) भविष्य में कीमत गिरने की आशंका में आज कम कीमत पर भी अधिक बिक्री।

आपूर्ति को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक (Determinants of Supply)

1. **वस्तु की कीमत (Price of the Commodity) :** कीमत जितनी अधिक होगी, लाभ की संभावना उतनी ही ज्यादा होगी, जिससे आपूर्ति बढ़ेगी।
2. **उत्पादन के साधनों की लागत (Cost of Production):** कच्चे माल , श्रम (Labour), किराया आदि की लागत बढ़ने पर उत्पादक का मुनाफा कम हो जाता है, जिससे वह आपूर्ति कम कर देता है।
3. **तकनीक या प्रौद्योगिकी (Technology) :** उन्नत तकनीक के प्रयोग से उत्पादन की लागत कम होती है और उत्पादन क्षमता बढ़ती है, जिससे बाज़ार में आपूर्ति बढ़ जाती है।
4. **सरकारी नीतियां (Government Policies):**
   - ✓ सरकार → भारी टैक्स → लागत बढ़ती → आपूर्ति कम
   - ✓ सरकार → **सब्सिडी** → लागत कम → आपूर्ति बढ़
5. **भविष्य में कीमत परिवर्तन की संभावना :** यदि उत्पादकों को लगता है कि भविष्य में किसी वस्तु की कीमत बढ़ने वाली है, तो वे वर्तमान में उसकी आपूर्ति कम करके उसे स्टॉक करते हैं।
6. **संबंधित वस्तुओं की कीमतें :** यदि किसी किसान के लिए गेहूं की तुलना में सरसों उगाना अधिक लाभदायक है, तो वह गेहूं का उत्पादन कम कर देगा।
7. **फर्मों या विक्रेताओं की संख्या :** बाज़ार में किसी वस्तु को बनाने वाली जितनी अधिक कंपनियां या विक्रेता होंगे, उसकी कुल बाज़ार आपूर्ति उतनी ही अधिक होगी।

आपूर्ति (Supply) और स्टॉक (Stock) के बीच वैचारिक स्पष्टता

किसी वस्तु की वह विशिष्ट मात्रा जिसे एक विक्रेता या उत्पादक किसी निश्चित समय अवधि में, एक दी गई कीमत पर, बाज़ार में बेचने के लिए तैयार (इच्छुक) और सक्षम होता है, उसे **आपूर्ति** कहते हैं।

आधार	स्टॉक (Stock)	आपूर्ति (Supply)
अर्थ	किसी विशेष समय पर विक्रेता के पास गोदाम में उपलब्ध वस्तु की कुल मात्रा।	स्टॉक का वह हिस्सा जो एक निश्चित कीमत पर वास्तव में बिक्री के लिए बाज़ार में लाया जाता है। (बिक्री के लिए)
प्रकृति	यह एक **स्थैतिक** (Static) अवधारणा है, जो उपलब्ध मात्रा को दर्शाती है।	यह एक प्रवाह (Flow) अवधारणा है, जो वर्तमान कीमत और समय अवधि से गहराई से जुड़ी होती है।
कीमत का प्रभाव	स्टॉक पर वस्तु की वर्तमान कीमत का सीधा प्रभाव नहीं पड़ता।	आपूर्ति सीधे तौर पर वस्तु की वर्तमान बाज़ार कीमत पर निर्भर करती है।
प्रमुख संबंध	स्टॉक उपलब्ध मात्रा को दर्शाता है।	सामान्य वस्तुओं के लिए: **आपूर्ति ≤ स्टॉक**

सामान्य वस्तुओं के लिए

आपूर्ति कभी भी स्टॉक से अधिक नहीं हो सकती। यह या तो स्टॉक के बराबर होगी (यदि विक्रेता अपना सारा माल बाज़ार में उतार दे) या उससे कम होगी।

नाशवान वस्तुओं के लिए

ताज़ी सब्जियां, दूध, या फूल जैसी जल्द खराब होने वाली वस्तुओं (Perishable Goods) को लंबे समय तक सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। इसलिए, उत्पादक के पास जितना स्टॉक होता है, वह लगभग पूरी मात्रा बाज़ार में बेचने के लिए ले आता है। अतः नाशवान वस्तुओं में आपूर्ति ≈ स्टॉक।

एक व्यावहारिक उदाहरण

1. किसान के पास कटाई के बाद 100 क्विंटल गेहूं है — यह उसका कुल स्टॉक है।
   100 क्विंटल (कुल स्टॉक)

2. यदि बाज़ार में गेहूं की कीमत ₹2000 प्रति क्विंटल है और इस कीमत पर वह केवल 40 क्विंटल गेहूं मंडी में बेचने लाता है, तो **आपूर्ति = 40 क्विंटल।**
   कीमत = ₹2000 प्रति क्विंटल → आपूर्ति = 40 क्विंटल
   40 क्विंटल (आपूर्ति)

3. यदि अगले महीने कीमत बढ़कर ₹2500 प्रति क्विंटल हो जाती है और वह अपने स्टॉक में से 80 क्विंटल गेहूं बेचने का निर्णय लेता है, तो नई कीमत पर आपूर्ति = 80 क्विंटल।
   कीमत = ₹2500 प्रति क्विंटल → आपूर्ति = 80 क्विंटल
   80 क्विंटल (आपूर्ति)

निष्कर्ष: स्टॉक उपलब्ध मात्रा है, जबकि आपूर्ति उस उपलब्ध मात्रा का वह भाग है जो एक निश्चित कीमत पर बाज़ार में बेचने के लिए प्रस्तुत किया जाता है।

Conceptual Clarity Between Supply and Stock

Supply refers to the specific quantity of a commodity that a seller or producer is willing and able to offer for sale in the market at a given price during a particular period of time.

Basis	Stock	Supply
Meaning	The total quantity of a commodity available in the warehouse with the seller at a particular point of time.	That part of the stock which is actually brought to the market for sale at a given price.
Nature	It is a static concept, which indicates the available quantity.	It is a flow concept, which is closely related to the current price and time period.
Effect of Price	The current price of the commodity does not directly affect stock.	Supply directly depends on the current market price of the commodity.
Key Relation	Stock shows the available quantity.	For normal goods: **Supply ≤ Stock**

For Normal Goods

Supply can never be greater than stock. It will either be equal to stock (if the seller brings the entire stock to the market) or less than stock.

For Perishable Goods

Perishable goods such as fresh vegetables, milk, or flowers cannot be stored safely for a long time. Therefore, whatever stock the producer has is brought almost entirely to the market for sale. Hence, for perishable goods: **Supply ≈ Stock**.

A Practical Example

1. A farmer has 100 quintals of wheat after harvest — this is his total stock.
   100 quintals (Total Stock)

2. If the market price of wheat is ₹2000 per quintal and at this price he brings only 40 quintals of wheat to the market for sale, then **Supply = 40 quintals.**
   40 quintals (Supply)
   Price = ₹2000 per quintal → Supply = 40 quintals

3. If next month the price rises to ₹2500 per quintal and he decides to sell 80 quintals from his stock, then at the new price **Supply = 80 quintals.**
   80 quintals (Supply)
   Price = ₹2500 per quintal → Supply = 80 quintals

Conclusion: **Stock is the available quantity, whereas supply is that part of the available quantity which is offered for sale in the market at a given price.**